सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 48 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 01 दिसंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## डीजीपी-आईजी सम्मेलन : पीएम मोदी बोले- पुलिसिंग को मजबूत करने की जरूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में 60वें अखिल भारतीय डीजीपी-आईजी सम्मेलन के अंतिम दिन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी शिरकत की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ड्रग्स के गलत इस्तेमाल से निपटने के लिए सरकार का नजरिया जरूरी है, जिसमें कानून लागू करना और कम्युनिटी लेवल पर दखल शामिल हो। पीएम ने कहा कि पुलिस को लेकर लोगों की सोच बदलने की जरूरत है, इसके लिए प्रोफेशनलिज़्म और सेंसिटिविटी को बढ़ाना होगा और पुलिसिंग को मजबूत करना होगा।

बता दें इस कॉन्फ्रेंस की थीम 'विकसित भारत, सिक्योरिटी डाइमेंशन्स' थी, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल समेत कई लोग शामिल हुए। पुलिस लीडरशिप से 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहे एक विकासशील देश की उम्मीदों के हिसाब से पुलिसिंग के तरीकों को बदलने की अपील करते हुए, प्रधानमंत्री ने पुलिस के बारे में लोगों की सोच, खासकर युवाओं के बीच, बेहतर प्रोफेशनलिज़्म, सेंसिटिविटी और रिस्पॉन्सिवनेस के जरिए बदलने की जरूरत पर जोर दिया।

### नई स्ट्रेटेजी अपनाएं- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस फोर्स से कहा कि वे खाली द्वीपों को जोड़ने के लिए नई स्ट्रेटेजी अपनाएं, नैटग्रिड के तहत जुड़े डेटाबेस का अधिक असरदार इस्तेमाल करें और एक्शन लेने लायक इंटेलिजेंस बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करें। कार्यक्रम में विजन 2047 की ओर पुलिसिंग के लॉन्ग-टर्म रोडमैप, काउंटर-टेररिज्म और काउंटर-रेडिकलाइजेशन में उभरते ट्रेंड, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल, विदेश में मौजूद भारतीय भगोड़ों को वापस लाने की स्ट्रैटेजी और असरदार जांच और प्रॉसिक्यूशन पक्का करने के लिए फोरेंसिक क्षमताओं को मज़बूत करने पर चर्चा हुई।

### राष्ट्रीय सुरक्षा चिंतन का केंद्र बना छत्तीसगढ़ : सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय डीजीपी कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक संपन्न होना राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री तथा देशभर के डीजीपी और सुरक्षा बलों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा, महत्व और प्रभाव को कई गुना बढ़ा दिया। राजधानी रायपुर में सम्पन्न यह सम्मेलन राष्ट्रीय सुरक्षात्मक नीतियों, रणनीतियों और समन्वय तंत्र पर गहन चर्चा का महत्वपूर्ण मंच बना है।

## खास-खबर

### नक्सली गढ़ कर्रेगुट्टा पहाड़ी तक बनेगी सड़क, 5 करोड़ मंजूर

**बीजापुर।** जिले के धूर नक्सल क्षेत्र छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ी तक पहुंच आसान बनाने पीडब्ल्यूडी सड़क बनाने जा रही है। लगभग चार किलोमीटर सड़क बनाने में पांच करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। जल्द ही इसका काम शुरू हो जाएगा। इस सड़क का निर्माण इसलिए भी किया जा रहा है कि क्योंकि केंद्र सरकार इस पहाड़ी पर देश का दूसरा जंगल वारफेयर कॉलेज खोलने जा रही है। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक बीजापुर जिले के उसूर ब्लाक के गलगम से यह सड़क शुरू होगी। जो कर्रेगुटा की पहाड़ी तक जाएगी। लगभग 3.5 किलोमीटर की इस सड़क को बनाने में 5.29 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पीडब्ल्यूडी सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि हमारी कोशिश है कि इस सड़क का निर्माण समय-सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

### भारत-दक्षिण आफ्रीका मैच का टिकट ब्लैक करते दो गिरफ्तार

**रायपुर।** भारत व दक्षिण आफ्रीका के बीच3 दिसंबर को सीरीज का दूसरा वनडे मैच होना है। मैच देखने लोगों में जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में टिकटे में ब्लैक हो रही हैं। एक दिन पहले 30 नवंबर को ब्लैक टिकट बेचते पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी टिकट खरीद कर अवैध तरीके से ज्यादा दामों में बेच रहे थे। इस बात की भनक पुलिस को लग गई। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने भारत माता चौक के आसपास घेराबंदी की और फाफाडीह के रहने वाले ऋतिक माकीजा और देवव्रत माकीजा को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी दीपक पासवान ने बताया कि आरोपियों के खिलाफप्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस ब्लैक टिकट बेचने वालों पर नजर रख रही है।

### ट्रेलर ने खड़े हार्वेस्टर को मारी टक्कर, चालक की मौत

**सक्ती।** नेशनल हाईवे एनएच-49 पर बनवारी वाटिका के पास रविवार को तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े हार्वेस्टर को इतनी तेज टक्कर मारी कि हार्वेस्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गोविंद यादव (45 वर्ष) निवासी सोनपैरी, थाना मंदिर हसौद, रायपुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गोविंद यादव हार्वेस्टर से फसल कटाई का कार्य कर रहे थे। रविवार को तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सीधे खड़े हार्वेस्टर में जा भिड़ा। हादसे में गोविंद यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही सक्ती पुलिस मौके पर पहुंची।

## देशभर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए गुड न्यूज... बनेगा सीनियर सिटीजन कार्ड

### केन्द्र सरकार वरिष्ठ नागरिकों को देने जा रही है 8 तरह की सुविधाएं

नईदिल्ली ए.। देश के सीनियर सिटीजन्स के लिए केन्द्र सरकार ने सुविधाओं का पिटारा खोला है। एक दिसंबर यानी आज से सीनियर सिटीजन्स को आठ अलग अलग तरह की सुविधाए मिलने जा रही है। ये सुविधाएं स्वास्थ्य, यात्रा, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं। इसके लिए सरकार 'सीनियर सिटीजन कार्ड 2025' जारी करेगी। जिसके माध्यम से सभी लाभ चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। इन सुविधाओं से वरिष्ठ नागरिकों को न सिर्फराहत मिलेगी बल्कि उनकी लाइफ स्टाइल में बदलाव होगा।

दरअसल केन्द्र सरकार आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाते हुए 60 वर्ष से अधिक आयु के पात्र नागरिकों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज देने का प्रावधान किया है। दूरदराज़ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए मोबाइल हेल्थ यूनिट्स भी तैनात की जाएंगी। एक दिसंबर से वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा में भी बड़ी राहत मिलेगी। रेल, बस और हवाई यात्रा में 30त्र से 50त्र तक छूट दी जाएगी। धार्मिक और तीर्थ यात्राओं के लिए विशेष सहायता दी जाएगी। पेंशन बढ़ाकर 5000 रुपए, बचत योजनाओं पर ज्यादा ब्याज मिलेगी। सरकार ने वरिष्ठ नागरिक पेंशन बढ़ाकर 5000 रुपए मासिक कर दी है। सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें भी बढ़ाई गई हैं, जिससे आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी।

### बैंकों में अलग काउंटर बनाने के निर्देश

केन्द्र सरकार ने सभी बैंकों को निर्देश दिया गया है कि वे वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग काउंटर स्थापित करें। साथ ही कर्मचारियों को वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता सेवा देने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हर जिले में कानूनी सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यहां संपत्ति विवाद, पेंशन से जुड़े मुद्दों और वित्तीय धोखाधड़ी पर मुफ्त सलाह मिलेगी। इसके अलावा बुजुर्गों के खिलाफअपराध, उपेक्षा और हिंसा रोकने के लिए सरकार ने विशेष संरक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह कदम वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करेगा। ग्रामीण बुजुर्गों को लंबी दूरी तय किए बिना डॉक्टरों की सुविधा मिलेगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट और टेलीमेडिसिन सेवा गांवों में उपलब्ध कराई जाएगी।

### सीनियर सिटीजन कार्ड बनेगा प्राथमिक पहचान दस्तावेज

केन्द्र सरकार वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा देने सीनियर सिटीजन कार्ड जारी कर रही है। आयुष्मान कार्ड की तरह इस कार्ड को भी जारी किया जाएगा। यह कार्ड सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, बैंकों, रेलवे स्टेशनों और अन्य जगहों पर पहचान और प्राथमिकता सेवा के लिए अहम दस्तावेज होगा। सरकार ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है। सभी राज्यों को कार्ड वितरण और नई सेवाओं को शुरू करने के निर्देश भेज दिए गए हैं। 1 दिसंबर से सीनियर सिटीजन के लिए चरणबद्ध तरीके से यह सुविधाएं लागू की जाएंगी।

वनरक्षकों पर हमला

## छत्तीसगढ़ में शराब पीने से मना करने पर मारपीट कर भागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बलरामपुर।** छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में वनरक्षकों पर नशेड़ियों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। जंगल में शराब पी रहे तीन युवकों को वनरक्षकों ने मना किया तो वे बिगड़ गए और हमला कर दिया। यही नहीं नशेड़ियों ने वनरक्षकों के बुलेरो वाहन पर पत्थर बरसाए और तोड़फोड़ कर जंगल के रास्ते फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार बीते दो दिनों से वन विभाग के कर्मचारी समयलाल, अनूप, गिरधारी, रामलखन और राजेश रोड़ा ट्रांजैक्ट लाइन तैयार करने के कार्य में लगे थे। रविवार दोपहर करीब 1:30 से 2 बजे के बीच बीट प्रभारी प्रमीट एक्का कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे। इसी दौरान ग्राम दरकी (थाना शंकरगढ़) निवासी संतोष उरांव अपने दो साथियों के साथ जंगल किनारे शराब पीते मिला। वनरक्षक प्रमीट एक्का ने तीनों को वहां शराब सेवन न करने और अन्यत्र जाने की समझाइश दी।

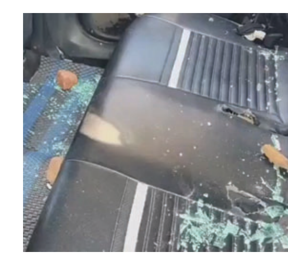

जिस पर युवक उत्तेजित हो गए। नशे में धुत युवकों ने गाली-गलौज करते हुए वनरक्षक पर पत्थरों से हमला कर दिया, जिसमें उनके चेहरे और कनपटी पर गंभीर चोटें आईं। हमले के बाद आरोपियों ने वनरक्षक की कार पर भी जमकर पथराव किया, जिससे आगे और पीछे की विंडशील्ड सहित वाहन के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

वनरक्षकों से मारपीट के बाद हड़बड़ी में भागते समय तीन युवकों में से एक युवक का मोबाइल फोन घटनास्थल पर गिर गया, जिसे वन कर्मचारियों ने पुलिस को सौंप दिया है। वन विभाग की रिपोर्ट पर राजपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मोबाइल फोन के आधार पर तीनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

### एसआईआर - 2003-लिस्ट में नाम नहीं होने पर भी वोटिंग राइट्स सुरक्षित

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर मतदाताओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या 2003 की वोटर लिस्ट में नाम होना अनिवार्य है।

कलेक्टर गौरव सिंह ने स्पष्ट किया है कि 2003 की सूची में नाम न होने पर भी आपका वोट देने का अधिकार सुरक्षित है। स्ढ्ढक्र फॉर्म भरने के लिए केवल वर्तमान वोटर आईडी का होना पर्याप्त है। कई लोग भ्रम में थे कि ,एसआईआर फॉर्म तभी वैलिड होगा जब 2003 की सूची में उनका या उनके परिवार का नाम हो। कलेक्टर गौरव सिंह के अनुसार ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने बताया है कि तीन तरह की कैटेगरी है। पहला 2003 के वोटर लिस्ट में नाम है। दूसरा जिनके पेरेंट्स यानी माता-पिता का नाम नहीं मिल रहा। लेकिन ग्रैंड पेरेंट्स का नाम मिल रहा तो भी काम चलेगा। अपने दादा-दादी, नाना-नानी किसी का भी नाम 2003 की लिस्ट में है, तो फॉर्म में उसका विवरण दर्ज करें और खुद को उससे लिंक करें।

## शिक्षक करेंगे केवल चुनाव का काम गैर शिक्षकीय काम कराने पर रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को शिक्षा विभाग ने अब चुनाव और निर्वाचन को छोड़कर सारे कार्य से मुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके लिए शिक्षा विभाग से फाइल सामान्य प्रशासन विभाग को भेज दी गई है। जल्द ही शिक्षकों से गैर शिक्षकीय कार्य न कराने का आदेश जारी किया जाएगा।

सरकारी स्कूल के शिक्षकों से गैर शिक्षकीय कार्य कराने का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है। ज्यादातर मौकों पर तो शिक्षा विभाग को खबर नहीं होती और जिला प्रशासन व समग्र शिक्षा के अधिकारी शिक्षकों की ड्यूटी लगा देते हैं। निजी कंपनियों के फाउंडेशन की ओर से आयोजित होने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम

में शिक्षकों की ड्यूटी भी विभाग से अनुमति लिए बिना ही लगा दी जाती है। शिक्षकों से जुड़े संगठनों की ओर से कई बार इसका विरोध किया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पहली बार शिक्षकों से गैर शिक्षकीय कार्य न कराने का निर्णय लेते हुए इसका प्रस्ताव भेज दिया गया है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने खुद ही इस बारे में अफसरों को निर्देश दिया है। ताकि शिक्षक बच्चों की पढ़ाई पर फोकस कर सकें।

### तूफान 'दितवाह' के असर से बस्तर में बारिश की चेतावनी

**रायपुर।** बंगाल में बने चक्रवाती तूफान 'दितवाह' के असर से बस्तर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। कई क्षेत्रों में बादल छाए रहने के आसार हैं। चक्रवात के प्रभाव के कारण ठंड बढ़ने की गति फिलहाल धीमी पड़ सकती है। पूर्वी और दक्षिणी हवाएं सक्रिय रहने से नमी बढ़ने की भी संभावना है।

रायपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, प्रदेशभर में अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान 1 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज हो सकती है। पिछले 24 घंटों में राज्य का सबसे अधिक तापमान 30.8 डिग्री दुर्ग में और सबसे कम 8.0 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

## छत्तीसगढ़ में 37 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 65 लाख का था इनाम

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 37 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। मिनपा जैसी घटना में शामिल नक्सली ने अपने 36 साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। इस समर्पण के साथ ही एक और टीम बिखरती हुई नजर आ रही है, इन सभी नक्सलियों के ऊपर 65 लाख का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पूना मारगेम जिसका अर्थ पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल पर भरोसा जताते हुए नक्सली हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपना रहे हैं और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे है।

### 20 महीने में 508 ने किया सरेंडर

केन्द्र व राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के कारण पिछले 20 महीनों में दंतेवाड़ा जिला में 508 से अधिक नक्सलियों ने सरेंडर किया है। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 333 इनामी नक्सली सहित कुल 1160 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। जिसमें जिला दन्तेवाड़ा के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों बस्तर, बीजापुर, सुकमा एवं नारायणपुर के 916 पुरूष नक्सली तथा 244 महिला नक्सली शामिल हैं।

## इंसानों को किसी दुश्मन की जरूरत ही कहां है

सच कहें तो इंसानों को किसी दुश्मन की जरूरत ही नहीं है। वह खुद ही अपना दुश्मन है। हजारों साल पहले, जब कोई कानून नहीं था, किसी देश का कोई संविधान नहीं था तो लोगों ने साथ-साथ रहने के लिए कुछ नियम बनाए। स्वर्ग का लोभ दिखाकर लोगों को सद्कर्मों के लिए प्रेरित किया। नर्क का डर दिखाकर समर्थ लोगों को काबू में रखने की कोशिश की। पर धीरे-धीरे ये परम्पराओं में तब्दील हो गई और लोगों को लगने लगा कि यही जीवन का सबकुछ है। इसी को उन्होंने धर्म मान लिया और इसका कड़ाई से पालन करना शुरू कर दिया। एक धर्म की व्याख्या भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में की थी। लोग श्रीकृष्ण को भले ही मानें, दिन भर राधे-राधे भी करें पर उनके लिए धर्म का मतलब अलग ही है। आधुनिक युग में संविधान बने, कानून बनाए गए पर लोगों के मन से धर्म, जाति और समाज की इन धारणाओं को नहीं मिटाया जा सका। पर यह नई पीढ़ी है। यह कुर्बानी देने में नहीं, बल्कि अपने हक के लिए लड़ने और समाज को आईना दिखाने में यकीन करती है। एक ऐसा ही मामला महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले से सामने आया है। नांदेड की आंचल सक्षम ताटे से प्यार करती थी। दोनों शादी करने वाले थे। लेकिन लड़की के परिजनों को यह रिश्ता इसलिए मंजूर नहीं था क्योंकि सक्षम दूसरी जाति का था। आंचल के पिता और भाई ने मिलकर सक्षम की हत्या कर दी। पहले सक्षम को बेरहमी से पीटा, फिर सिर में गोली मारी दी। इसके बाद उसके सिर को पत्थर से कुचल दिया। जब लड़की को यह पता चला कि उसके प्रेमी की बेरहमी से हत्या कर दी गई है तो वह अंतिम संस्कार से पहले उसके घर जा पहुंची। शव के साथ खुद को हल्दी लगाई और फिर प्रेमी के अंगुली से खुद अपने माथे पर सिंदूर लगाया और शादी कर ली। साथ ही लड़की ने प्रेमी घर में रहने का फैसला कर लिया। प्रेमी के लाश से शादी करने के बाद लड़की ने कहा- मारने वाले जीत कर भी हार गए और हारने वाला मर कर भी जीत गया। आज हमारे प्यार की जीत हुई है। सच कहती हैं आंचल। उसका प्यार तो छिन ही गया, अब बारी परिवार के पछताने की है। उनकी बाकी जिन्दगी शायद जेल में ही गुजरे। जेल जाने से बच भी गए तो हत्या की ग्लानि उन्हें चैन से जीने नहीं देगी। आंचल की मां का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना करना कठिन है। अगर यही वह सनातन है जिसके लिए लोग उछल-कूद मचाए हुए हैं तो उन्हें सिर्फ एक और पीढ़ी का इंतजार करने की जरूरत है। इसके बाद वे अपनी दकियानूसी मान्यताओं के महल को भरभराकर गिरता हुआ भी देख लेंगे। हमारे लिए वसुधैव कुटुम्बकम तो सिर्फ जुबानी जमाखर्च है। यहां तो कुटुम्ब की पोटली ही सिकुड़ते-सिकुड़ते जेब में समाने लगी है।

## संपादकीय

# दो निर्णयों की वापसी और एक अवसर की चूक

पंजाब को केंद्र से जिस पीड़ाहारी स्पर्श की सख्त ज़रूरत है, वह मिल नहीं रहा। प्रधानमंत्री पंजाब में बाढ़ के बाद के मौजूदा हालात भलीभांति जानते हैं। बीते माह केंद्र को चंडीगढ़ से संबंधित दो अधिसूचनाएं वापस लेनी पड़ी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की गुरुपर्व के दिन यात्रा अयोध्या और कुरुक्षेत्र में संपन्न हो गयी। पिछले एक महीने में केंद्र की भाजपा सरकार को दो बार अधिसूचना वापस लेनी पड़ी ङ्क जिसमें एक में चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों का प्रस्ताव था ङ्क और एक था वह विधेयक, जिसमें चंडीगढ़ प्रशासन में ही बदलावों का प्रस्ताव था, जिसको संसद के आगामी शीत सत्र में पेश करना था।

हैरान कर देने वाली इन दो वापसियों से प्रधानमंत्री मोदी की गुरुपर्व के दिन यात्रा अयोध्या और कुरुक्षेत्र पर संपन्न हो गयी– बजाय इसके, सोचिए यदि उनका आखिरी पड़ाव आनंदपुर साहिब होता, जहां गत सप्ताह की शुरुआत में नौवें गुरु, तेग बहादुर की शहादत की 350वीं सालगिरह मनाने के लिए हज़ारों लोग इस ऐतिहासिक जगह पर एकत्र हुए थे। उस सूरत में, द ट्रिब्यून की हेडलाइन सोचिए क्या होती : 'अयोध्या से आनंदपुर साहिब, मोदी ने धर्मों को एक सूत्र में पिरोया'। प्रधानमंत्री की यात्रा 1675 में गुरु साहिब की शहादत का अनुपम संदेश दर्शाती और आह्वान करती, जब गुरु साहिब ने किसी के धर्म, यानी हिंदू धर्म को मानने के अधिकार की रक्षा की खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी। इसकी बजाय, जैसा कि द ट्रिब्यून के 'ए सिंबॉलिक स्लिप' शीर्षक वाले संपादकीय में बताया गया, प्रधानमंत्री ने बगल के भाजपा शासित हरियाणा के कुरुक्षेत्र जाना चुना, केसरिया साफा पहन, बारंबार गुरु के बलिदान की तारीफ की। इसलिए, प्रधानमंत्री आनंदपुर साहिब क्यों नहीं गए, और जो कहना था वह इस पवित्र धरती से क्यों नहीं कहा? विडंबना यह कि मोदी पंजाब और पंजाबियों दोनों को अच्छी तरह जानते हैं। इमरजेंसी के सालों में, गुजरात में बतौर एक भूमिगत कार्यकर्ता, वे कभी-कभी पगड़ी पहनकर सिख का भेस बदलकर गिरफ्तारी से बचे। फिर, 1990 के दशक में, बतौर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पंचकूला में रहते हुए वे हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी थे, और पंजाब में भी घूमते थे। साल 2019 में प्रधानमंत्री बनने के बाद, वे करतारपुर साहिब कॉरिडोर का उद्घाटन करने जाते समय,बीच में सुल्तानपुर लोधी में गुरुद्वारा बेर साहिब रुके, एकदम वज्रासन में बैठे और पहले गुरु , गुरु नानक देव को समर्पित इस गुरुद्वारे में प्रार्थना की। मोदी ने पाकिस्तान के प्रति अपनी नापसंदगी को एक तरफ रखते हुए – जबकि उसी साल फरवरी की शुरुआत में, भारतीय वायुसेना ने बालाकोट स्थित आतंकी अड्डों पर एयरस्ट्राइक की थी– और यह सुनिश्चित किया कि डेरा बाबा नानक को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से जोड़ने के लिए सड़क और सभी खास सुविधाएं चालू हो सकें, ताकि सिख श्रद्धालु गुरु नानक देव के जीवन के आखिरी 18 सालों से जुड़े इस गुरुद्वारे में प्रार्थना कर सकें।

> "ऐसा भी नहीं कि पंजाब यूनिवर्सिटी और चंडीगढ़ प्रशासन में, पत्थर पर लकीर की तरह यथास्थिति रहे, निश्चित रूप से, समय और जरूरत के अनुरूप सुधार दोनों जगह किया जाना एक जरूरत है। इसी प्रकार, पंजाबियों को यह पूछने का हक है कि 1985 के राजीव-लोंगोवाल समझौते के वादे के मुताबिक चंडीगढ़ पंजाब को क्यों नहीं दिया गया - हस्तांतरण की अंतिम तिथि 26 जनवरी, 1986 थी।

वर्ष 2022 में, मोदी ने उनसे मिलने आए एक सिख प्रतिनिधि मंडल से कहा, 'गुरुद्वारों में जाना, सेवा में समय बिताना, लंगर खाना, सिख परिवारों के घरों में रहना मेरी ज़िंदगी का हिस्सा रहा है'। गत सप्ताह की शुरुआत में आनंदपुर साहिब में, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित समारोह के बरक्स अकाली दल-एवं शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से भी गुरु की शहादत की याद में कार्यक्रम आयोजित किए गए। खबरों में इस बात की काफी चर्चा रही कि क्या वाकई इन समानांतर आयोजनों का पंजाबियों की अपने गुरु के प्रति श्रद्धा पर असर पड़ा – जवाब है, कतई 'नहीं'। मोदी की उपस्थिति, यदि वे जाते, तो उनकी मौजूदगी उस अंदरूनी खींचतान को और बढ़ा डालती, जिसे सिर्फ भारतीय समझते हैं और जिसका आनंद लेते हैं। ऐसा लगता है, पंजाब के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के लिए मुलाकात का समय नहीं दिया गया, लेकिन अगर प्रधानमंत्री पहुंचते, तो सोचिए कि आज बिना नेता वाली पंजाब भाजपा को कितना बल मिलता। शायद प्रधानमंत्री को अहसास हो गया होगा कि पंजाब का माहौल, यदि विकट नहीं, तो भी उदास है। बाढ़ से हुआ भौतिक और भावनात्मक नुकसान अभी भी कायम है।

**भारत एचआईवी/एड्स के खिलाफअपनी लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। पहली घटना की रिपोर्ट होने के चार दशकों बाद, देश ने राष्ट्रीय एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रम का निर्माण किया है, जो दुनिया के सबसे व्यापक और मजबूत उपचार कार्यक्रमों में से एक है। राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) ने निर्विवाद उपलब्धियाँ हासिल की हैं। नई संक्रमण दर 2010 की तुलना में लगभग आधी रह गई है, एड्स से संबंधित मृत्यु दर में 80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है, उपचार पर रहने वाले लोगों में वायरस नियंत्रण अब 97त्न से अधिक है और भारत ने पूरी तरह से डोल्यूटेग्राविर-आधारित उपचार योजनाओं को अपनाने के साथ बड़ा बदलाव किया है–जिससे यह उपचार प्रभावकारिता में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है।**

# 2030 तक एचआईवी, एड्स महामारी को समाप्त करना भारत का अगला बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसर

सुश्री वी हेकाली झीमोमी

हालांकि, आत्मसंतुष्टि की कोई जगह नहीं हो सकती। देश 2026-31 के लिए एनएसीपी चरण-VI में प्रवेश कर रहा है, लेकिन इसके साथ ही यह सच्चाई भी स्वीकार करनी होगी कि भारत में महामारी अभी भी विकसित हो रही है और कुछ जगहों पर यह तेजी से बढ़ रही है। महामारी की मौजूदगी का राष्ट्रीय औसत केवल 0.20 प्रतिशत है, लेकिन यह उभरते हुए हॉटस्पॉट और नई कमजोर स्थितियों को छिपाता है। असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और पंजाब जैसे राज्यों में मुख्य रूप से सुई से नशीली दवाओं के सेवन के कारण घटनाओं के बढ़ने की रिपोर्ट मिली है। सुई से नशीली दवा लेने वाले लोगों में, एचआईवी होने की दर राष्ट्रीय औसत से चालीस गुना अधिक है और कुछ ख़ास स्थानों में इसमें गुणात्मक वृद्धि देखी जा रही है। एक ही सुई साझा करने की घटना से संक्रमण का अनुमानित 1-में-160 मौका होने के कारण, सुई से नशीली दवाओं के सेवन से जुड़ी एचआईवी महामारी तेजी से फैल सकती है, यदि इसके खिलाफ प्रभावी ढंग से जवाबी कारवाई नहीं की जाती है।

इसके अलावा, नए संक्रमणों का बढ़ता हुआ हिस्सा अब उन व्यक्तियों में देखने को मिल रहा है जो अपने आकस्मिक या नियमित साथियों से एचआईवी प्राप्त कर रहे हैं—जो पारंपरिक 'मुख्य जनसंख्या' से परे बदलाव का संकेत देता है। भारत की युवा जनसांख्यिकी – हर साल 15ङ्क25 आयु वर्ग में 2.25 करोड़ किशोर प्रवेश कर रहे हैं – संवेदनशील बनी हुई है, क्योंकि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म तक आसान पहुँच जोखिम से भरे यौन व्यवहार और मादक पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देती है। भारत ने ऊर्ध्वाधर मातृ-शिशु संचरण को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। गर्भवती माताओं के लिए एचआईवी और सिफ़लिस की सार्वभौमिक जांच और उपचार, शिशु का प्रारंभिक निदान और बालरोग निवारक उपायों ने माताओं से बच्चों में संचरण को 2020 के 25त्न से अधिक से कम करके 2024 में 10त्न तक कर दिया है। फिर भी, यह उन्मूलन की पांच प्रतिशत सीमा से ऊपर है।

सीधे तौर पर कहें तो, वायरस ने खुद को अनुकूलित कर लिया है। यह युवाओं को प्रभावित करता है, अधिक फैलाव वाला है और नई कमजोरियों का फायदा उठा रहा है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक नई रणनीति की आवश्यकता है। एनएसीपी-VI की परिकल्पना भारत की सबसे साहसी और सबसे भविष्य-अनुकूल एचआईवी रणनीति के रूप में की गयी है। यह 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य (एस डी जी 3.3) के अनुरूप है—और यह चार बड़े बदलावों में निहित है।

सबसे पहले, भारत की विविध संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल यह मांग करती है कि रोकथाम को श्रेणियों के बजाय लोगों के अनुसार बदला जाए। पारंपरिक 'उच्च-जोखिम समूहों' से अलग, कार्यक्रम को सामाजिक और संरचनात्मक कारकों द्वारा पैदा होने वाली तथा एक-दूसरे से जुड़ी कमजोरियों को संबोधित करना होगा। संपूर्ण सुरक्षा रूपरेखा के तहत, सार्वभौमिक रोकथाम यह सुनिश्चित करेगी कि हस्तक्षेप, समूहों के बजाय जोखिम वाले व्यक्तियों तक पहुंचे। एआई-संचालित स्वयं जोखिम आकलन, वर्चुअल पहुंच, नए दवा उपकरण और हॉटस्पॉट या सबसे ज्यादा संक्रमण फैलाने वाले संभावित लोगों (सुपर-स्प्रेडर) का पता लगाने के लिए रोग निगरानी प्लेटफ़ॉर्म, रोकथाम और सेवाओं को आपस में जोड़ने के अगली पीढ़ी के प्रयासों को सशक्त करेंगे। छह नशीली दवाओं के उपयोग से उत्पन्न महामारियों पर लक्षित रणनीतियाँ, एनएसीपी-VIके तहत महामारी को तेजी से कम करने के लिए केंद्रीय होंगी। दूसरा, एनएसीपी-VI को जल्दी पहचान, प्रभावी इलाज, जीवन भर बनाए रखने के दृष्टिकोण पर आधारित होना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाले, मुफ्त एंटीरिट्रोवायरल उपचार और वायरल-कमी (वायरल सप्रेशन) को बढ़ाने में भारत की सफलता अभूतपूर्व है। फिर भी, उपचार का पालन करने और प्रारंभिक निदान के लिए रोगियों को बनाए रखने का काम अभी भी जारी है। आभा, टेलीमेडिसिन और एआरटी वितरण के लिए डिजिटल फॉलो-अप का उपयोग करते हुए आपस में जुड़े तरीके सेवा अदायगी बाधाओं को दूर करने में मदद करेंगे। आभा और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ एनएसीपी-ङ्कढ्ढ का एकीकरण, एचआईवी देखभाल को व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकोसिस्टम की मुख्य-धारा में लाने का मौका देता है।

तीसरा, एचआईवी और सिफ़लिस के ऊर्ध्वाधर संचरण को समाप्त करना एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनिवार्यता है। आरएमएनसीएच+ए के साथ तालमेल बढ़ाकर, निजी क्षेत्र से डेटा-प्रवाह और जांच किट्स के लिए विकेंद्रीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से, भारत 2030 तक उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर सकता है। हालांकि, इसके लिए हर गर्भवती महिला तक—स्थान, जाति, आय या वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना—पहुंचना आवश्यक है।

चौथी बात, कार्यक्रम को कलंक समाप्त करने पर अपने जोर को फिर से शुरू करना चाहिए। कलंक अदृश्यता, देरी से निदान और गैर-उपचार संक्रमण का सबसे बड़ा कारण है। एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017; एचआईवी और एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों के लिए अधिकार-आधारित कानून है। यह अधिनियम कलंक और भेदभाव से मुक्त वातावरण में सेवा प्राप्त करने को प्रोत्साहित करता है। फिर भी यह कलंक घरों, अस्पतालों, कार्यस्थलों और यहां तक कि नीतियों में भी मौजूद है और इससे निपटने के लिए मजबूत और लगातार प्रयास करने की आवश्यकता है।

एचआईवी रोकथाम में भारत की यात्रा कई साहसिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है। एचआईवी नियंत्रण और रोकथाम में शुरूआती निवेश ने महामारी की दिशा को पलटने में मदद की, जिससे एक पूरी पीढ़ी को पीड़ा और रुग्णता से बचाया गया। इसके परिणामस्वरूप एक स्वस्थ जनसांख्यिकीय लाभ हुआ, जो आर्थिक विकास में योगदान देता है। बड़े पैमाने पर सेवा वितरण में स्पष्ट उपलब्धियों का एनएसीपी का ट्रैक रिकॉर्ड अंतिम प्रयास के लिए आधार मजबूत करता है। अब विज्ञान, पहले से कहीं अधिक भारत के एचआईवी/एड्स उन्मूलन विज़न के पक्ष में है। हमारी जैव प्रौद्योगिकी और दवा उद्योग की क्षमता दवाओं, वैक्सीन और डायग्नोस्टिक्स का तेजी से विकास कर सकती है और पैमाने का तेज विस्तार कर सकती है, जिससे उन्मूलन प्रयासों के लिए सहायता मिलती है। फिर भी, हजार मील की यात्रा में, आखिरी मील हमेशा सबसे कठिन होता है। एचआईवी/एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की आखिरी कोशिश केवल जैव-चिकित्सीय नहीं है—यह सामाजिक, डिजिटल, व्यवहारिक और संरचनात्मक भी है। एक आगामी रोडमैप प्रदान करता है, जो तकनीकी रूप से आधुनिक, महामारी विज्ञान के दृष्टिकोण से सटीक और सामाजिक रूप से जमीन से जुड़ा है। अडिग सरकारी प्रतिबद्धता और एक सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के समर्थन के साथ, भारत इस अवसर का साहसपूर्वक लाभ उठाएगा—दुनिया को यह दिखाने के लिए कि जब विज्ञान, समुदाय और नीति मिलकर कार्य करते हैं, तो एक महामारी को समाप्त करना संभव है।

**लेखिका, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ( एनएसीओ ) की महानिदेशक हैं।**

# जल है तो कल है और अमृत सरोवर इस 'कल' को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय संकल्प है

लोकेश्वर सिंह

**भारत में जल हमेशा से जीवन, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी रहा है। लेकिन समय के साथ बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और भूजल स्तर में लगातार गिरावट ने गाँवों में पानी की उपलब्धता को चुनौतीपूर्ण बना दिया। इसी पृष्ठभूमि में देशभर में शुरू हुए अमृत सरोवर अभियान ने जल-संरक्षण को एक नए स्वरूप और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाया है। यह सिर्फएक तालाब निर्माण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी, पर्यावरण-संरक्षण और ग्रामीण विकास का समन्वित मॉडल बन चुका है।**

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुए इस राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य प्रत्येक जिले में अनेक अमृत सरोवर विकसित करना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़े, मिट्टी व जल संरक्षण हो और स्थानीय समुदाय को स्थायी लाभ मिल सके। अमृत सरोवर की संकल्पना तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है- जल संचयन, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण समुदाय की भागीदारी। इस मॉडल में गाँव का हर व्यक्ति पंच-सरपंच से लेकर श्रमिक, किसान और युवा अपनी सक्रिय भूमिका निभाता है।

एक अमृत सरोवर का निर्माण मात्र मिट्टी खुदाई या सफाई भर नहीं है। इसके साथ कई दीर्घकालिक प्रावधान सुनिश्चित किए जाते हैं। गहरी खुदाई कर बड़ी जल क्षमता का निर्माण, तल एवं तटों पर घास/वनस्पति रोपण, चारों ओर सुरक्षा तटबंध, वर्षा जल संग्रहण के वैज्ञानिक प्रबंध, आसपास वृक्षारोपण कर जल संरक्षण चक्र को मजबूत करना, गाँव के लिए पर्यटन/मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाएं तलाशना भी है। इससे सरोवर केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि पूरे गाँव की पर्यावरणीय और सामाजिक धुरी बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्षों में पानी की कमी और बरसाती जल का बहाव एक गंभीर समस्या बन चुका था। अमृत सरोवर इसके जवाब में एक समग्र समाधान बनकर उभरा- भूजल स्तर में वृद्धि, कृषि के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार, पशुओं के लिए सुरक्षित पानी की उपलब्धता, बाढ़ नियंत्रण में सहायता, सूखे की समस्या में राहत, पर्यावरणीय संतुलन मजबूत होती है। इन सभी प्रभावों ने अमृत सरोवर को ग्रामीण विकास योजनाओं में केंद्र बिंदु बना दिया है। जिला एमसीबी में अमृत सरोवर अभियान ने विकास का नया मानक स्थापित किया है। यहाँ प्रत्येक ब्लॉक में सरोवरों को समयबद्ध तरीके से विकसित किया गया, स्थानीय मजदूरों को मनरेगा के माध्यम से रोजगार, ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी, संरक्षण के आधुनिक उपाय के साथ लागू किया गया। सरोवरों के पूर्ण होने के बाद आसपास के किसानों को फसल की सिंचाई में बड़ी सहायता मिली है। बरसात के बाद जल भराव से बचाव और तालाबों की स्थायी जल उपस्थिति ने ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं। कई गाँवों में अमृत सरोवर आज पिकनिक स्पॉट, समुदाय मिलन स्थल, और पर्यावरण शिक्षा केंद्र के रूप में पहचान बना चुके हैं। एक अमृत सरोवर तभी सफल होता है जब गाँव स्वयं इसमें भागीदारी करता है। ग्राम पंचायत, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, युवा मंडल, स्कूल, किसान-सभी अपने-अपने स्तर पर योगदान देते हैं इसमें श्रमदान, पौधरोपण, जल संरक्षण के प्रति जागरूकता, रखरखाव और सुरक्षा, सरोवर में कचरा न डालने की प्रतिज्ञा लेना शामिल है। इससे सरोवर लंबे समय तक जीवित रहता है और जल सतत उपयोग योग्य बनता है।

अमृत सरोवर अभियान ग्रामीण भारत में स्थायी जल प्रबंधन का मजबूत आधार बन रहा है। यह जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रहने देता बल्कि सामुदायिक आंदोलन में बदल देता है।

भविष्य में सरोवर पर्यटन केंद्र, पर्यावरण शिक्षा संस्थान, आजीविका मॉडल (मत्स्य पालन, पर्यटन), सामुदायिक विकास परिसर के रूप में सामने आ सकते हैं। अमृत सरोवर केवल जल संचयन का माध्यम नहीं, बल्कि गाँवों में आत्मनिर्भरता, सामुदायिक शक्ति और प्रकृति के साथ संतुलन की नई कहानी है। यह कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों के लिए वह मूल्यवान जल-धरोहर तैयार कर रहा है, जो भविष्य में गाँवों की जीवनरेखा बनकर उभरेगी। जल है तभी कल है और अमृत सरोवर इस कल को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय संकल्प है।

# कांग्रेस मजदूरों की मुश्किलें

अजीत द्विवेदी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का एक स्थायी दावा होता है कि वह जो भी काम कर रही है वह सबसे बड़ा काम है या ऐसा काम पहले कभी नहीं हुआ। तभी छह साल पहले 2019 में भारतीय संसद से पास चार श्रम कानूनों को लागू करते हुए ऐसा ही दावा किया गया है। हैरानी की बात है कि अनेक मीडिया समूह भी अपने संपादकीय में इन कानूनों को इसी रूप में पेश कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में किसी भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा आर्थिक सुधार है। ध्यान रहे अब तक 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और उनके वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की ओर से लागू किए गए उदारीकरण के फैसले को सबसे बड़ा आर्थिक सुधार माना जाता रहा है। अब उसकी जगह श्रम कानूनों को सबसे बड़ा आर्थिक सुधार बताया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या यह सबसे बड़ा कथित आर्थिक सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को वैसे ही बदल पाएगा, जैसे 1991 के आर्थिक सुधारों ने बदला था? और क्या इससे श्रमिकों की हालत में कोई गुणात्मक परिवर्तन आएगा? इसकी संभावना कम है।

बुनियादी रूप से ये चारों कानून कोई बड़ा बदलाव नहीं कर रहे हैं। इनकी जो एकमात्र बड़ी खासियत दिखाई दे रही है वह ये है कि पहले से मौजूद 29 केंद्रीय कानूनों को इन चार कानूनों में समेटा गया है। इस आधार पर दावा किया जा रहा है कि पहले इन 29 कानूनों की वजह से उद्योग व कारोबारी समूहों को इनके अनुपालन में समस्या आती थी तो दूसरी ओर श्रमिकों के लिए जरूरी लाभ उपलब्ध कराना मुश्किल होता था। लेकिन असली सवाल तो यह है कि इससे मजदूरों को कैसे फायदा होगा? इस सवाल पर विचार से पहले चारों कानूनों के बारे में संक्षेप में जानना जरूरी है। ये चार कानून वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य शर्तें संहिता हैं।

पहला कानून यानी वेतन संहिता यह सुनिश्चित करेगा कि सभी मजदूरों को एक निश्चित वेतन मिले, वेतन समय पर मिले और वह उचित हो। पहले वेतन, भत्ता, पेंशन, बोनस आदि के लिए अलग अलग कानून थे, जिससे परेशानी होती थी। इसमें एक खास बात यह है कि महिलाओं को पुरुषों के समान काम के लिए समान वेतन का प्रावधान किया गया है। हालांकि उचित और समय पर वेतन मिलना कैसे सुनिश्चित होगा यह कानून लागू होने के बाद पता चलेगा। दूसरा कानून औद्योगिक संबंध संहिता हैं, जिसके तहत कर्मचारी और कंपनी के संबंधों की व्याख्या की गई है और साथ ही दोनों के बीच विवाद के त्वरित निपटान की व्यवस्था भी बनाई गई है। इसमें हड़ताल और विरोध प्रदर्शन के नियम भी शामिल किए गए हैं और सबसे ज्यादा विरोध इसी नियम का हो रहा है।

तीसरा कानून सामाजिक सुरक्षा संहिता का है, जिसमें असंगठित मजदूरों, ऐप आधारित सेवाओं में काम करने वाले लोग, जिन्हें गिग वर्कर्स कहा जा रहा है उनके लिए जरूरी प्रावधान किए गए हैं। इस कानून में कहा गया है कि कंपनियां इनके लिए सामाजिक सुरक्षा फंड बनाएंगी। इस कानून के जरिए स्वास्थ्य, बीमा और मातृत्व सुविधा जैसे लाभों को हासिल करना आसान बनाया जाएगा। चौथा और अंतिम कानून व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य शर्तें संहिता है, जिसमें कर्मचारियों, मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रावधान है साथ ही कार्यस्थल पर होने वाली परेशानियों को दूर करके उसे बेहतर बनाने के उपाय भी किए गए हैं। पहले से मौजूद 13 कानूनों मिला कर इसे बनाया गया है। इसमें महिलाओं के रात में काम करने का प्रावधान भी किया गया है।

दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर व उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा।

परंतु उससे पहले इस कानून के कई प्रावधान ऐसे हैं, जिनको मजदूर फ्रेंडली कतई नहीं माना जा सकता है। उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि मजदूरों को नियमों में बांधने, उनके विरोध करने की क्षमता को कम करने और उनकी नौकरी को असुरक्षित बनाने के प्रावधान इन कानूनों में निहित हैं। मिसाल के तौर पर औद्योगिक संबंध संहिता में प्रावधान किया गया है कि तीन सौ तक मजदूर और कर्मचारी वाला उद्योग सरकार की अनुमति के बगैर छंटनी कर सकता है। पहले एक सौ मजदूरों तक की कंपनियों को यह छूट मिली थी। यह दायरा बढ़ाने का मतलब है कि देश की ज्यादातर कंपनियां और उद्योग अपने यहां पहले से ज्यादा आसानी से छंटनी कर पाएंगे। इसमें लगभग पूरा एमएसएमई सेक्टर आ जाता है। ध्यान रहे भारत में ज्यादातर कंपनियां इतने की मजदूरों या कर्मचारियों वाली हैं। इसका मतलब है कि सरकार ने ज्यादातर मजदूरों को कंपनियों की मर्जी के हवाले कर दिया है।

इतना ही नहीं मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को भी सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा। सोचें, अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा? आवश्यक सेवाओं पर लागू होने वाले कानून को हर तरह के मजदूरों और कर्मचारियों पर लागू कर दिया गया है। इससे उनके विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं कानून में यह भी प्रावधान किया गया है कि यूनियन की मान्यता पाने के लिए कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या के 10 फीसदी या एक सौ मजदूरों का, जो भी ज्यादा हो, उसमें शामिल होना जरूरी है। इससे छोटी यूनियन के समाप्त होने का खतरा है।

सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया गया है। कंपनियां आठ से 12 घंटे काम करा सकेंगी। हालांकि एक हफ्ते में काम की अधिकतम सीमा 48 घंटे निर्धारित है लेकिन सबको पता है कि इस सीमा का पालन कहीं नहीं होता है। नया कानून लागू होने के बाद कंपनियां लंबे कार्य दिवस लागू कर सकती हैं।

# ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है।

संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवत: केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैँ।

मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की सदाशयता पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैँ। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है। बेहतर होता, भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) की बैठक बुलाकर अधिकतम सहमति बनाने की कोशिश की जाती। मगर केंद्र ने इसकी जरूरत नहीं समझी। इससे श्रम एवं पूंजी के बीच नया तनाव पैदा हो सकता है।

**ITR फाइल 500/-**
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

## खास खबर

### बदल रहा है वाल्व; कल सुबह भी नहीं आएगा पानी

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम क्षेत्र के मालवीय नगर काम्पलेक्स के पास 600 एम.एम.वाल्व बदली किया जाना है। फिल्टर का शट डाउन लिया जाना है, जिससे टंकियों से संबंधित एरिया में आज और कल जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। आवश्यकता अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जल आपूर्ति की जावेगी। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर जल विभाग की टीम मालवीय नगर में मरम्मत कार्य हेतु तैनात रहेंगे,इस दौरान नागरिकों की सुविधा के लिए टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

### अस्मिता एथलेटिक्स में महक और रेणु को मिले पदक

**नंदिनी अहिवारा।** खेलो इंडिया - अस्मिता एथलेटिक्स प्रतियोगिता, भिलाई सेक्टर-7 में कराई गई। इसमें जर्नी ऑफ गोल अहिवारा के जूनियर खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। 60 मीटर दौड़ में महक ठाकुर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि रेणु यादव ने उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। दोनों खिलाड़ियों के प्रयासों और लगन की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। ये खिलाड़ी नंदिनी-अहिवारा क्लब के हैं। प्रतियोगिता के बाद नंदिनी क्लब में खिलाड़ियों का विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां कोच, क्लब के पदाधिकारी और अन्य स्टाफ सदस्यों ने बच्चों को सम्मानित किया।

### मरार पटेल महासंघ जनवरी में मनाएगा शाकंभरी जयंती

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ मरार पटेल महासंघ की कार्यकारिणी बैठक कन्हैया लाल पटेल मरार महासंघ छात्रावास कोहका में हुई। बैठक में जिला व प्रदेश स्तर पर आगामी 2 और 3 जनवरी को माता शाकंभरी जयंती और माता सावित्री बाई फुले जयंती मनाने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने सहित अनेक बिन्दुओं पर चर्चा कर प्रस्ताव पारित किए गए। प्रांताध्यक्ष बरत राम पटेल ने कहा कि एकता सामाजिक विकास की नींव है, क्योंकि यह आपसी सहयोग और सम्मान को बढ़ावा देती है। संयोजक राजेन्द्र नायक पटेल ने अधिक से अधिक राजनीतिक भागीदारी पर जोर दिया। कार्यकारी अध्यक्ष सुनील पटेल ने समाज के विभिन्न प्रकोष्ठों को सक्रिय भागीदारी निभाने अपील की। सुरेंद्र पटेल ने समाज में शैक्षणिक और आर्थिक विकास में सहभागिता पर जोर दिया।

### साई महोत्सव कल से, 4 को निकलेगी पालकी यात्रा

**दुर्ग।** सिविल लाइन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में 2, 3 व 4 दिसंबर को 49वां वार्षिक महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें रंगारंग छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजनों की प्रस्तुति के अलावा मेहंदी, ड्राइंग, रंगोली, पूजा की थाली सजाओ प्रतियोगिताएं होंगी। छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मशहूर कॉमेडियन पप्पू चंद्राकर सांकरा बालोद द्वारा निर्देशित पप्पू गम्मतिहा की प्रस्तुति श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेगी।

## चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ ही बच्चों ने किया राजयोग का अभ्यास

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रिसाली, मैत्री कुंज स्थित प्रभु प्राप्ति भवन में क्लास 2 से लेकर क्लास 4 तक के बच्चों के लिए राजयोग मेडिटेशन के साथ ड्राइंग एंड और पेंटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने भावनाओं को सुंदर चित्रों के माध्यम से प्रेषित किया।

सर्वप्रथम बच्चों को म्यूजिकल एक्सरसाइज करवाकर ठंडी को छू मंतर कर तन और मन को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर किया।

इस कार्यक्रम में बच्चों को ड्राइंग एंड पेंटिंग की बारीकियां के साथ जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन, ईमानदारी, एकाग्रता, उमंग उत्साह जैसे गुणों को भी धारण करने के लिए प्रेरित किया गया।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी ने बच्चों को बताया कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और जीवन में आने वाले परिस्थितियों में हमें धैर्यवत होकर सामना करना है उन्हें प्रतियोगिता ना समझ कर सीखने की लगन से आगे बढ़ना है और उसके परिणामों को सहज स्वीकार कर अपनी कमी कमजोरी को दूर करना है।

सभी बच्चों को साइलेंस जोन, प्रेम, सुख, आनंद इन चारों का जीवन में महत्व बताकर विशेष 4 ग्रुप बनाए गए।

कार्यक्रम में सभी बच्चों ने उमंग और उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने सुन्दर चित्र बनाए और उन्हें चटक रंगों के साथ प्रस्तुत किया जो उनकी मन:स्थिति को दर्शाया।

ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी और मयंक दीदी ने भी बच्चों को संबोधित किया।

## वर को लेकर बदल रहा सतनामी समाज में ट्रेंड, बदली प्राथमिकता

### सरकारी नौकरी नहीं बल्कि इन गुणों पर हो रही बातें, नशामुक्त होना पहली प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** समाज में बेटियों की शादी के लिए सरकारी नौकरीपेशा युवकों को प्राथमिकता की धारणा बन चुकी है। लेकिन बेटियां अब सिर्फसरकारी नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार अपनाने वाले व्यवसायी और आत्मनिर्भर युवकों को भी जीवनसाथी स्वीकार करने सहमति दे रही हैं।

इसका उदाहरण रविवार को सतनामी समाज के प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में देखने को मिला। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लगभग 450 युवाओं ने परिचय दिया। इनमें युवतियों की संख्या सबसे ज्यादा करीब 350 रही। बेटियों ने इस बार भी मंच पर परिचय देते हुए बेबाकी से अपनी बात रखी। कहा कि जीवनसाथी सरकारी नौकरी वाला ही होना जरूरी नहीं है। उनका वर आत्मनिर्भर होना चाहिए, चाहे वह प्राइवेट जॉब कर रहा हो या फिर व्यवसाय। केवल नशा न करता हो और दोनों परिवारों को लेकर चल सके। बेटियों की इस सोच का समाज के लोगों ने भी स्वागत किया।

गुरु घासीदास सेवा समिति, सेक्टर-6 भिलाई के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन और आदर्श विवाह समारोह हुआ। इसमें प्रदेशभर से युवा अपने परिजनों के साथ शामिल हुए।

इस दौरान समाज ने फिजूलखर्ची रोकने का संदेश देते हुए दो जोड़ों का सरल विवाह भी कराया। समारोह की शुरुआत गुरु घासीदास बाबा की पूजा से की गई।

मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि सतनाम भवन मेरा राजनीतिक जन्मस्थल है, जहां से मैं आगे बढ़ा। मनखे- मनखे एक समान के बाबा घासीदास के संदेश को सिरोधार्य कर आप सभी ने मुझे यहां अवसर देकर सम्मानित किया है। मैं समाज का सदैव ऋणी रहूंगा। समारोह में समाज उत्थान में योगदान देने वाले विशिष्टजनों का सम्मान किया गया। आदर्श विवाह राजमहंत जवाहर कौशल के सानिध्य में कराया गया। नवविवाहितों को समिति ने उपहार दिए। संचालन एनआर गिलहरे, दिवाकर गायकवाड़ टेकराम बंजारे, शंभु डहरिया, योगेश चतुर्वेदी ने किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राजेन्द्र महिलांग ने दी।

बेटियां घर के साथ देश के प्रति भी जिम्मेदारी निभाएं: आकांक्षा सत्यवंशी समारोह में विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी का समाज ने विशेष रूप से सम्मान किया।

आकांक्षा ने कहा कि विश्व पटल पर समाज को गौरवान्वित करने का मुझे अवसर मिला, जिसके लिए मैं समाज का आभारी रहूंगी। मैं अपेक्षा करती हूं कि समाज के हर परिवार में लड़कियों को आगे आकर जिम्मेदारियां का निर्वहन करना चाहिए। चाहे वह घर की हो या फिर देश की। समिति के अध्यक्ष बीएल कुर्रे ने स्वागत उद्बोधन दिया और सभी अतिथियों का सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व संभागायुक्त भारत लाल बंजारे, पूर्व मुख्य वन संरक्षक एल रात्रे, केके खेलवार और समाज के वरिष्ठों ने भी विचार रखे।

## फेंसिंग एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई/रायपुर।** छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन की 19 सामान्य सभा क्वींस क्लब वीआईपी रोड में आयोजित हुई। फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया से चुनाव पर्यवेक्षक अशोक दुधारे, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन से अकरम खान, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्रवेश जोशी की उपस्थिति में 2025-2029 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी के रूप में एस प्रकाश को अध्यक्ष पद पर, चेयरमैन सुनील कुमार अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, उपाध्यक्ष के पद पर शुभाष अग्रवाल, बशीर अहमद खान, कमल रूपरेला, आरती सिंह। सह उपाध्यक्ष कमल कुमार एवं तारकेश मिश्रा, महासचिव पद पर समीर खान, सह सजीव के पद पर राम प्रताप गुप्ता, निखिल कुमार जाँभूलकर, मोहनीश वर्मा, वरुण पांडेय, संतोष साहू। कोषाध्यक्ष के पद पर अखिलेश दुबे, कार्यकारिणी सदस्य रमन कुमार साहनी, उमेश सिंह, जुबेर महमूद, आसिम रुम्मन खान तथा छत्तीसगढ़ के एनआईएस कोच वीर हनुमान सिंह अवार्डी वि जॉन्सन सोलोमन और एनआईएस कोच प्रवीण कुमार शामिल थे।

चुनाव को संपन्न कराने में मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ रमेश कुमार श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष सीजीओए), सहायक चुनाव अधिकारी रामजस पाल (कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ रोइंग संघ) की भूमिका रही। सचिव उद्बोधन में बशीर अहमद खान से वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष राम प्रताप गुप्ता ने वर्ष 2024-25 की अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

## अब शिवनाथ में नहीं जाएगा गंदा पानी

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** शहर के कोसा नगर नाला, तेलहा नाला और अन्य छोटे नालों से निकलने वाला दूषित पानी अब सीधे शिवनाथ नदी में प्रवाहित नहीं होगा। भिलाई नगर निगम ने अपशिष्ट जल को साफ करने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत कचांदुर में 189 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाया जा रहा है।

नया एसटीपी 150 एमएलडी क्षमता का होगा, जिसकी संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी पुणे की एक एजेंसी को 15 वर्षों के लिए सौंपी गई है। इस कार्य पर करीब 145 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। संयंत्र निर्माण के लिए कचांदुर में 14 एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है, जहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है।

इन नालों में शहर के घरों, उद्योगों, होटलों और अन्य प्रतिष्ठानों से निकलने वाला सीवरेज पानी बहता है। एसटीपी के शुरू होते ही इस दूषित पानी का वैज्ञानिक तरीके से उपचार किया जाएगा, जिससे इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकेगा।

नगर निगम की योजना है कि उपचारित पानी को सिंचाई विभाग और औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित यूनिट्स को उपलब्ध कराया जाए, ताकि संसाधनों का बेहतर उपयोग हो और जल संरक्षण को बढ़ावा मिले। इस तरह नदी जल का भी बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

## कर्मयोगी मिशन प्रशिक्षण में बीएसपी ने सेल की सभी इकाइयों को पछाड़ा

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के अंतर्गत संचालित लार्ज स्केल जन सेवा प्रोग्राम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेल की सभी इकाइयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 28 नवम्बर, 2025 तक भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 73 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से कुल 2563 कर्मचारियों को कवर किया गया है, जो पूरे सेल में सर्वाधिक है और बीएसपी को शीर्ष प्रदर्शनकारी इकाई के रूप में स्थापित करता है।

राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा सितंबर 2020 में प्रारंभ किया गया था, का उद्देश्य सरकारी एवं सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों में आधुनिक कार्य-दृष्टि, नागरिक-केंद्रित सोच, दक्षता, संवेदनशीलता और सेवा-भाव को विकसित करना है। इस मिशन का संचालन क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) द्वारा किया जा रहा है।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने इस राष्ट्रीय मिशन को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए प्रशिक्षण गतिविधियों को तेज गति से विस्तार दिया है। संयंत्र के 2 लीड ट्रेनर- उप महाप्रबंधक (एचआर- एल एंड डी) श्री यशवंत जौहरी व उप महाप्रबंधक (ए एंड डी) सुश्री नीरजा शर्मा के साथ 63 प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स इन मॉड्यूल्स को औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप, सरल, व्यावहारिक एवं कार्यस्थल पर सीधे लागू होने योग्य स्वरूप में कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। मानव संसाधन विकास केंद्र एवं बीएमडीसी में प्रतिदिन 60-70 कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर अधिकतम कार्यबल को त्वरित रूप से कवर किया जा रहा है।

## संगीत महाविद्यालय में कौशल उन्नयन कार्यशाला

### शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत की बारीकियों को निखारने के साथ ही व्यावहारिक कौशल पर फोकस

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में 26 से 28 नवंबर तक स्किल एन्हांसमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं कलाकारों में शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत की बारीकियों को निखारना तथा व्यावहारिक कौशल में वृद्धि करना था।

कार्यशाला को दो मुख्य विषयों में आयोजित किया गया : प्रथम विषय भरतनाट्यम था। प्रख्यात भरतनाट्यम नर्तक एवं कोरियोग्राफर मोहम्मद आसिफ हुसैन ने इसे संबोधित किया। आहार्य अभिनय के विभिन्न आयामों, मेकअप, वेशभूषा, आभूषण एवं मंच प्रस्तुति की बारीकियों पर गहन प्रशिक्षण दिया। द्वितीय विषय हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन के मूल सिद्धांत जिसके विशेषज्ञ थे वरिष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक माधो राम सिन्हा थे। उन्होंने तानपुरा, हारमोनियम और तबले के मुख्य तकनीकी तत्वों, उसके संधारण एवं सुधार की बारीकियाँ को गहराई से बताया।

प्राचार्य डॉ. ऋचा ठाकुर ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, राष्ट्रीय शिक्षानीति में ऐसे विषय कौशल उन्नयन में महत्वपूर्ण भागीदारी रखते हैं।

मोहम्मद आसिफ हुसैन ने कहा की संगीत केवल मनोरंजन के लिए नहीं अपितु आत्मरंजन के लिया भी हैं। घुंघरू बाँधते समय दोनों पैरों में बराबर संख्या और बराबर आवाज होनी चाहिए। अल्ता सूखने से पहले नृत्य शुरू न करें। कॉस्ट्यूम की सिलाई ऐसी हो कि अरमंदी में भी फटे नहीं। सूर्य दाहिनी तरफ, चंद्र बाईं तरफ, मेकअप हल्का न हो। स्टेज पर 50 मीटर दूर तक स्पष्ट दिखना चाहिए। उन्होंने आहार्य के महत्व एवं पारंपरिक विधियों पर जानकारी प्रदान की।

## अपनी चुनौतियों पर मंथन करे व्यापारजगत, सुखद होगा कल

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की इस कार्यकाल की दूसरी कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुई। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि यह समय हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर गहन मंथन कर रहे हैं, उसी प्रकार हम व्यापारी भी अपने व्यापार से जुड़ी चुनौतियों और समस्याओं पर विचार कर रहे हैं।

चेम्बर की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि इस समय हम गंभीरता से मंथन करेंगे तो इसका परिणाम शीघ्र ही सकारात्मक रूप में सामने आएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में चैंबर द्वारा चलाए गए अभियानों को व्यापारियों का व्यापक समर्थन मिला है। स्वदेशी जागरण यात्रा को व्यापारियों और आमजन से उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। आया त्यौहार चलो बाजार को भी पूरे प्रदेश में सराहा गया। इन अभियानों ने व्यापारियों को नई ऊर्जा दी और चैंबर की पहचान को छत्तीसगढ़ स्तर पर मजबूत किया।

बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में वर्तमान समय में व्यापारियों पर थोपे गए ट्रेड लाइसेंस शुल्क पर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने एक स्वर में इसपर पुनर्विचार करने की मांग की।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

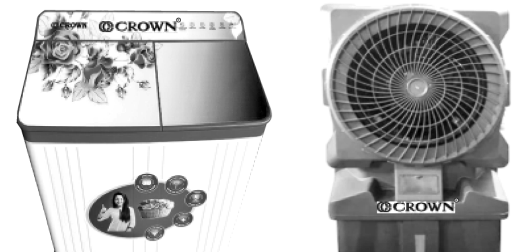


CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर

### निक्षय मित्र चला रहे टीबी मुक्त बस्तर का अभियान

**जगदलपुर।** बस्तर कलेक्टर हरिस एस. के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम टीबी मुक्त बस्तर, टीबी मुक्त छत्तीसगढ़, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जगदलपुर शहरी क्षेत्र में निक्षय मित्रों द्वारा दान में प्राप्त अतिरिक्त पोषण आहार फूड बास्केट शहर के 50 उपचारित टीबी मरीजों को वितरण किया गया। साथ ही टीबी मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने हेतु जागरूक तथा प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों के पार्षद रौशन सिसोदिया, आशा साहू, जोस्टिन भवानी एवं पूनम सिन्हा उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य विभाग से सीएमएचओ डॉ संजय बसाक, नोडल अधिकारी डॉ. मैत्री, जिला प्रबंधक शहरी पीडी बस्तिया, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी, प्रशांत श्रीवास्तव, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, एमटी एवं मितानिन उपस्थित थे।

### करेंगुट्टा पहाड़ी तक सड़क, बनेगा दूसरा जंगल वारफेयर कालेज

**रायपुर।** बस्तर के धुर नक्सल क्षेत्र बीजापुर जिले के करेंगुटा पहाड़ी तक अब लोगों की पहुंच आसान होगी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर स्थित करेंगुट्टा पहाड़ी की कुल लंबाई लगभग साठ किलोमीटर है। पीडब्ल्यूडी वहां तक पहुंचने के लिए सड़क बनाने जा रहा है। लगभग चार किलोमीटर सड़क बनाने में पांच करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। जल्द ही इसका काम शुरू हो जाएगा। इस सड़क का निर्माण इसलिए भी किया जा रहा है कि क्योंकि केंद्र सरकार इस पहाड़ी पर देश का दूसरा जंगल वारफेयर कॉलेज खोलने जा रही है। दरअसल करेंगुट्टा पहाड़ी रणनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। लगभग 900 मीटर ऊंची इस दुर्गम पहाड़ी में ऐसी कई गुफाएं हैं, जिन्हें नक्सली लंबे समय से अपने कैंप और हथियार बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। इसे नक्सलियों की राजधानी तक कहा जाता था। कुछ दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां चलाए गए ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में शामिल जवानों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

### बहतराई में चार साल से अधूरे पड़े हैं पीएम आवास

**बिलासपुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बहतराई में बन रहे आवास पिछले चार वर्षों से अधूरे पड़े हैं। योजना के तहत पात्र परिवारों को पक्के मकान मुहैया कराने के उद्देश्य से निर्माण कार्य शुरू तो किया गया था लेकिन स्थिति यह है कि अधूरे पड़े इन मकानों में अब जंगल जैसी झाड़ियां उग आई हैं, जिससे पूरे परिसर का स्वरूप अव्यवस्थित और भयावह दिखने लगा है। लोगों का कहना है कि शुरुआती दौर में तेजी से काम हुआ, पर कुछ ही महीनों बाद निर्माण पूरी तरह रुक गया। कई बार अधिकारियों को शिकायत भी की गई, मगर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

### निमोनिया से छात्र की मौत पर हटाए गए नवोदय के प्राचार्य

**बिलासपुर।** नवोदय स्कूल में निमोनिया से छात्र की मौत के बाद प्राचार्य को हटा दिया गया है। छात्रों और ग्रामीणों के आंदोलन के बाद प्रबंधन ने हॉस्टल की साफ-सफाई के लिए 8 लाख रुपए मंजूर किए हैं। फिलहाल प्रदीप झा को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया है। बेलगहना निवासी हर्षित यादव, पिता जयप्रकाश यादव, नवोदय विद्यालय मल्हार में कक्षा 10वीं का छात्र था। 22 नवंबर को तबीयत खराब होने पर उसके पिता उसे बाइक से लेकर बिलासपुर आए। हर्षित को निमोनिया हुआ था और वह हॉस्टल में गंभीर हालत में पड़ा था। परिजन का आरोप है कि प्रबंधन को कई बार गुहार लगाने के बावजूद छात्र को अस्पताल ले जाने के लिए वाहन की व्यवस्था नहीं कराई गई, जिसके कारण उन्हें उसे बाइक से ही ले जाना पड़ा। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता ने बीमारी के दौरान लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। उनका कहना है कि हॉस्टल में खिड़की-दरवाजे तक नहीं हैं। छात्र और ग्रामीणों ने मिलकर आंदोलन भी किया था और प्राचार्य को हटाने की मांग की थी।

# राज्य वीरता पुरस्कार के लिए 20 दिसम्बर तक करें आवेदन, ये होंगी शर्तें

श्रीकंचनपथ समाचार

**सुकमा।** ऐसे वीर साहसी बालक-बालिकाएं, जिन्होंने किसी घटना विशेष में अदम्य साहस, शौर्य एवं बुद्धिमता द्वारा साहसिक कार्य एवं कृत्य किया हो, ऐसे पात्र बालक एवं बालिकाओं के आवेदन राज्य वीरता पुरस्कार 2025 हेतु आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी शिवदास नेताम ने बताया कि राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2025 के अंतर्गत ऐसे बालक या बालिकाओं को पुरस्कृत किया जाता है, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किये बिना, दूसरे की जाने बचाकर वीरता का कार्य किया है।

पुरस्कार हेतु घटना दिनांक को बालक-बालिका की आयु 18 वर्ष से

अधिक न हो, शौर्य कार्य की अवधि पूर्व वर्ष की 1 जनवरी से 15 दिसम्बर के पूर्व तक घटित घटना, आवेदन पत्र सक्षम प्राधिकारी तथा जिला कलेक्टर द्वारा अनुशंसित होना आवश्यक है।

इसके साथ ही जिला कलेक्टर द्वारा अनुशंसा पत्र, एफआईआर की प्रति अथवा पुलिस डायरी, समाचार पत्रों की कतरनें, जो इस बाबत् प्रकाशित हुई हों को संलग्न करना होगा। जन्म प्रमाण पत्र सत्यापित करने हेतु आवश्यक दस्तावेज, बालक-बालिका के दो पासपोर्ट साइज के, वर्तमान रंगीन फोटोग्राफ्स सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित एवं 4 अतिरिक्त पासपोर्ट साइज के फोटो उपलब्ध कराने होंगे। सत्यापित नामांकन/आवेदन 02 प्रतियों में निर्धारित पत्र पर पूर्ण रूप से भरे हुए होना चाहिए।

# मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को साल भर में बाल विवाह मुक्त करवाने का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

**मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर।** देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान ने कहा कि वह मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा।

'100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके।

संस्थान देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक

### बाल विवाह में शामिल सभी पर गिर सकती है गाज

संगठन ने जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया और उन्हें समझाया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में किसी भी तरह से शामिल होने या सहायता करने वालों जिसमें शादी में आए मेहमान, कैटरर्स, टेंट वाले, बैंड वाले, सजावट वाले या बाल विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित, सभी को इस अपराध को बढ़ावा देने के जुर्म में सजा हो सकती है।

सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं।

'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के 27 नवंबर को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर संस्थान ने स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह-जगह बाल विवाह के खिलाफ शपथ समारोह आयोजित किए।

पिछले कुछ वर्षों से कानून लागू करने वाली एजेंसियों व जिला प्रशासन के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुए छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान ने पिछले एक वर्ष में ही .300 बाल विवाह रुकवाए हैं।

संस्था के सचिव अनिल मिश्रा और प्रेजेक्ट डायरेक्टर अमृत प्रधान ने कहा, यह 100 दिवसीय गहन अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और हमें प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के करीब ले जाएगा। सदियों से हमारी बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है और विवाह के नाम पर उन्हें अत्याचार, शोषण और बलात्कार की ओर धकेला गया है। जन प्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समुदायों का अभूतपूर्व तरीके से एक साथ आना, बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को नई ऊर्जा व रफ्तार देगा।

इस समन्वय और सामूहिक संकल्प से हम जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रति आश्वस्त हैं और अब इस अपराध को छिपने के लिए कहीं भी जगह नहीं मिलेगी तीन चरणों में किया जा रहा जागरूकता अभियान सौ दिन के इस गहन जागरूकता अभियान को तीन चरणों में बांटा गया है और इसका आखिरी चरण 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर समाप्त होगा। पहला चरण 31 दिसंबर तक चलेगा जिसमें स्कूलों, कालेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में जागरूकता के प्रसार पर जोर रहेगा।

# बस्तर पंडुम 2026 में दिखेगी आदिवासी संस्कृति की झलक

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति को जीवंत बनाने के लिए 'बस्तर पंडुम 2026' के आयोजन के लिए शनिवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के रायपुर स्थित निवास पर उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल बैठक में शामिल हुए। इस महोत्सव में बस्तर संभाग की अनूठी लोककला, संस्कृति, रीति-रिवाज और पारंपरिक जीवनशैली को मंच देने के लिए सभी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर पंडुम का आयोजन न केवल बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का प्रयास है, बल्कि इस क्षेत्र के प्रतिभाशाली कलाकारों को मंच देने और उनकी कला को प्रोत्साहन प्रदान करने का सुनहरा अवसर भी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सभी विभागों को मिलकर समन्वय के साथ कार्य करना है।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर पंडुम युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विविधता और उसकी खूबसूरती को एक बड़े मंच पर दिखाने का मौका प्रदान करती है।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर पंडुम की सभी तैयारियां तय समय सीमा में पूर्ण करनी होंगी।

05 जनवरी-05 फरवरी 2026 तक होने वाले 'बस्तर पंडुम 2026' में 12 प्रमुख विधाओं में बस्तर के पारंपरिक नृत्य-गीत, रीति-रिवाज, जनजातीय नृत्य, वाद्ययंत्र, शिल्प, पारंपरिक व्यंजन, जनजातीय गीत, वेशभूषा, चित्रकला, आंचलिक साहित्य, जनजातीय नाट्य, जनजातीय आभूषण, पेय पदार्थ एवं वन-औषधी के प्रदर्शन पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी।

# बस्तर ओलंपिक की संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 11-13 दिसम्बर तक

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक-2025 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में 11 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक इसका आयोजन किया जाएगा। बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के तीन हजार विजेता संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

प्रतियोगिता में करीब 500 नक्सल पीड़ित और पुनर्वासित नक्सली भी इन स्पर्धाओं में हिस्सेदारी करेंगे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के रायपुर के सिविल लाइन स्थित निवास कार्यालय में हुई बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार भी शामिल हुए। संभागायुक्त डोमन सिंह और पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. के साथ बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के सीईओ तथा खेल अधिकारी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है। यह बस्तर के युवाओं के सशक्तीकरण और उनमें नेतृत्व के विकास की पहल है। उन्होंने प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट आयोजन के लिए सभी विभागों को परस्पर समन्वय के साथ पुख्ता तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिभागियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की कमी या खामी नहीं छोड़ते हुए आयोजन स्थलों, खेल प्रबंधन, आवास, साफ-सफाई, भोजन, परिवहन, सुरक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों इत्यादि के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं बनाने को कहा। श्री साव ने कहा कि बस्तरवासियों के साथ ही देश और दुनिया में बस्तर ओलंपिक का बहुत अच्छा और सकारात्मक संदेश जाना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक के आयोजन से जुड़े सभी विभागों और अधिकारियों को इसे यादगार बनाने अपनी-अपनी भूमिका और कार्यों के अनुरूप दायित्वों का गंभीरता व सक्रियता से वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने बस्तर के युवाओं को खेलों से जोड़ने तथा उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रेरित करने स्थानीय लोगों के साथ ही ज्यादा से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बस्तर ओलंपिक के संभाग स्तरीय आयोजन से जोड़ने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को पिछले बस्तर ओलंपिक के विजेताओं और इस बार के विजेताओं को यूथ-आइकॉन बनाकर ज्यादा से ज्यादा गतिविधियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

### स्वच्छता में रायपुर नगर निगम की अनूठी पहल

# स्वच्छता निरीक्षक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** रायपुर नगर निगम शहर को स्वच्छ एवं हरित बनाने के अपने मिशन के प्रति सतत प्रतिबद्ध है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु प्रशासनिक सुधारों, नागरिक सहभागिता और जागरूकता अभियानों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में, रायपुर नगर पालिक निगम की पहल पर महापौर मीनल चौबे एवं आयुक्त विश्वदीप के मार्गदर्शन में 29 नवंबर 2025 को स्वच्छता निरीक्षक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, सकरी का अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट अपने 100वें वर्ष पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विभिन्न शैक्षिक गतिविधियाँ संचालित कर रहा है। इसी संदर्भ में रायपुर नगर निगम द्वारा विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन की संपूर्ण प्रणाली—स्रोत पर पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन, प्रोसेसिंग एवं वैज्ञानिक निस्तारण—की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट और पर्यावरणीय संरक्षण की दृष्टि से तरल अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

अध्ययन भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्लांट की प्रमुख इकाइयों का निरीक्षण किया, जिनमें कम्पोस्टिंग यूनिट, वैज्ञानिक लैंडफिल / निस्तारण इकाई, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का अवलोकन किया। विशेष रूप से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में विद्यार्थियों ने प्लास्टिक कचरे की छंटाई, बैलिंग, पुनर्चक्रण, वैकल्पिक ईंधन हेतु उपयोग, तथा निर्माण कार्यों में पुनर्चक्रित प्लास्टिक के उपयोग की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

डिप्टी डायरेक्टर विशाल राखेचा, शेखर वर्मा, निखिलेश उरकुड़े एवं पवन साहू उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने हेतु प्रेरित किया। यह अध्ययन भ्रमण विद्यार्थियों के लिए न केवल एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव सिद्ध हुआ, बल्कि उन्हें भविष्य में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन के कार्यों में जिम्मेदारीपूर्वक सहभागिता हेतु प्रेरित भी किया।

### प्रधानमंत्री आवास योजना

# 2025-26 के लिए 26,400 आवासों को स्वीकृति

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2025-26 हेतु जिले में 26 हजार 400 आवास निर्माण को स्वीकृत किया गया, जिसमें से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्योत्सव के अवसर पर 25 हजार 580 हितग्राहियों के खाते में पहली किश्त की राशि जारी की गई।

आवास चौपाल का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में तकनीकी अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है, जिसमे, सभी नवीन स्वीकृति उपरांत राशि प्राप्त आवास के हितग्राही, पूर्व वर्षों के स्वीकृति उपरांत अपूर्ण आवास के हितग्राही, राजमिस्त्री, निर्माण, सामग्री सप्लायर, सरपंच, सचिव एवं अन्य संबंधित शामिल होते हैं।

आवास चौपाल का उद्देश्य आवास निर्माण की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना है। साथ ही रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराना। सौर सुजला के तहत सौर पैनल लगवाने की जानकारी देना शामिल है। वर्ष 2025-26 में प्रथम किस्त जारी 25 हजार 580 आवास के हितग्राहियों को किस्त जारी किए गए हैं। सभी आवासों का निर्माण कार्य प्रारंभ कराना। योजना के तहत कन्वर्जेन्स के माध्यम से मिलने वाले अन्य लाभ का जानकारी देना। राजमिस्त्री एवं निर्माण सामग्री की उपलब्धता पर पंचायतों में आवास चौपाल में चर्चा की जा रही है।

अब तक बलौदाबाजार में 56, भाटापारा 34, कसडोल में 24 और पलारी 22 पंचायतों में आवास चौपाल करा किया गया है। अनाधिकृत वसूली से सावधान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पारदर्शी और निःशुल्क योजना है जहां किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नहीं लिया जाता।

कलेक्टर बलौदाबाजार ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति आवास पास कराने, किस्त जल्दी दिलाने या अन्य किसी बहाने से पैसा की मांग करता है तो इसकी शिकायत तत्काल जनपद पंचायत सीईओ, सीईओ जिला पंचायत या कलेक्टर कार्यालय में दर्ज करायें।

# मंत्रालय में अब आधार आधारित बायोमेट्रिक से ही होगी पंचिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक पारदर्शिता और समयपालन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 1 दिसंबर 2025 से मंत्रालय में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा गया है कि 1 दिसंबर 2025 से आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से ही अवर सचिव और उनसे वरिष्ठ समस्त अधिकारियों का कार्यालय में उपस्थित होने और कार्यालय पश्चात वापस जाने के समय उपस्थिति दर्ज की जाए। आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के लिए मोबाइल में आधार ऐप के माध्यम से अथवा प्रवेश द्वार के पास स्थापित बायोमेट्रिक डिवाइस या कंप्यूटर में थम्ब स्कैनर का उपयोग करते हुए उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं।

मंत्रालय में इसका अनिवार्य ट्रायल रन 20 नवंबर से शुरू हो गया था। पारदर्शिता बढ़ाने, समयपालन सुनिश्चित करने और प्रशासनिक कार्यकुशलता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार ने महानदी भवन और इंद्रावती भवन दोनों में इस सिस्टम को लागू करने की घोषणा की थी।

ट्रायल रन सफल होने के बाद अब 1 दिसंबर 2025 से मंत्रालय के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होगा। अन्यथा अटेंडेंस नहीं लगेगा।

### रायगुड़ा में सुविधा शिविर कल से

**सुकमा।** जिले के कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार कोंटा विकासखंड में स्थित रायगुड़ा पंचायत में 2 से 5 दिसंबर तक सुविधा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर नियद नेल्लानार योजना के तहत चयनित ग्रामों में सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को किसी भी आवश्यक सेवा/दस्तावेज के लिए भटकना न पड़े। जिले के संवेदनशील और दूरस्थ क्षेत्र रायगुड़ा में इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को दस्तावेजीकरण, बैंकिंग, स्वास्थ्य, पोषण, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, आदि सुविधाएँ एक जगह मिलेंगी।


GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

# जूड़ी हॉप्स की आवाज बनकर छाईं श्रद्धा, सधी हुई कहानी और परफेक्ट कॉमेडी से फिल्म बनी रोमांचक

**हॉलीवुड की फिल्म हो और वो भी एनिमेटेड.. फिर तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप इसे देखकर निराश हों। 'जूटोपिया 2' भी कुछ ऐसी ही फिल्म है। पहले सीन से लेकर आखिरी सीन तक कहानी आपको बांधे रखती है और इसके वन लाइनर्स हंसा-हंसाकर आपका पेट दर्द कर देते हैं। वहीं मेकर्स ने लीड किरदार में श्रद्धा कपूर की आवाज जोड़कर इसमें चार चांद लगा दिए।**

फिल्म की कहानी पहले पार्ट से आगे बढ़ती है। जूडी हॉप्स और निक वाइल्ड जूटोपिया पुलिस डिपार्टमेंट में पार्टनर हैं पर दोनों के बीच बॉन्डिंग अच्छी नहीं है। एक केस में दोनों से गलती होने के बाद चीफ बोगो उन्हें अलग हो जाने या फिर थैरेपी सेशन अटेंड करने की सलाह देते हैं। जूडी को लगता है कि जूटोपिया में कोई सांप घुस आया है पर उसकी बात पर कोई यकीन नहीं करता। वो निक को मनाकर तहकीकात में लग जाती है। इसी बीच जूटोपिया के संस्थापक लिंक्सली परिवार एक पार्टी देता है जिसमें गैरी नाम का सांप सबके सामने आ जाता है। अब यह सांप जूटोपिया में किस लिए आया? क्या जूडी इसकी जड़ तक पहुंच पाएगी ? क्या उसका और निक का रिश्ता बिगड़ेगा या बेहतर होगा? यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

एनिमेटेड फिल्म जब भी हिंदी में डब होती हैं तो उनकी सबसे बड़ी ताकत डबिंग आर्टिस्ट ही बनते हैं। बात करें इस फिल्म की तो हर एक छोटे से छोटे किरदार की भी डबिंग और डायलॉग्स दोनों ही कमाल हैं। जूडी के किरदार में श्रद्धा कपूर ने फिल्म में चार चांद लगाए हैं। सीन चाहे कॉमिक हो या फिर इमोशनल श्रद्धा ने इसका परफेक्ट वॉइस ओवर दिया है। निक वाइल्ड की आवाज बनकर दमनदीप सिंह ने खूब एक्सपेरिमेंट किए हैं। उनकी कॉमेडी टाइमिंग लाजवाब है। समय ठक्कर और आदित्य राज शर्मा समेत कई आर्टिस्ट ने फिल्म के छोटे-बड़े हर किरदार को बेहतरीन डब किया है।

तारीफ उन डायलॉग राइटर्स की भी करनी होगी जिन्होंने फिल्म के हिंदी डायलॉग लिखे। ये हर सीन और किरदारों पर इतने सूटेबल हैं कि कहीं लगता ही नहीं कि आप एक डब की हुई फिल्म देख रहे हैं। पूरी फिल्म में वन लाइनर्स आपको हंसाते रहते हैं जैसे- 'टीम तीन की होनी चाहिए.. दो तो चप्पल भी होती है' और 'घोड़ा है घोड़े की जरूरत है..।' कहीं कोई गुजराती में कॉमेडी कर रहा है तो कहीं साउथ इंडियन एक्सेंट के जरिए आपको हंसाया जा रहा है। यकीनन फिल्म को हिंदी में लिखते वक्त काफी मेहनत की गई है।

जैरेड बुश और बायरन हावर्ड ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। दोनों का ही काम बढ़िया है। उन्होंने हर छोटे से छोटे सीन को बड़ी ही बारीकी से डिजाइन किया है। इतने किरदार होने के बाद भी आप न तो कहीं कन्फ्यूज होते हैं और न ही बोर। बिल्कुल देखना चाहिए। बच्चों को जरूर दिखाएं और पूरे परिवार के साथ देखने जरूर जाएं।

# टीवी के बाद भाबीजी घर पर हैं सिनेमाघरों में करेगी धमाका, फिल्म का पोस्टर और रिलीज तारीख जारी

**एक दशक से भी ज्यादा समय तक छोटे पर्दे पर राज करने के बाद सबका पसंदीदा टीवी शो भाबीजी घर पर है। अब बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाला है जी हां, भाबीजी घर पर हैं के मेकर्स ने एलान किया कि वे इस शो पर अब बड़े पर्दे पर ला रहे हैं। उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है।**

भाबीजी घर पर हैं के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल और पोस्टर के साथ रिलीज डेट का एलान किया है। मेकर्स ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, भाभीजी जो अब तक घर पर थीं, अब बड़े पर्दे पर आएंगी. भाबीजी घर पर हैं फन ऑन द रन 6 फरवरी को थिएटर में रिलीज हो रही है।

फिल्म के किरदारों की बात करें तो विभूति जी का चार्म, तिवारी जी का ड्रामा, अंगूरी भाभी का सही पकड़े हैं, अनीता भाभी की ब्यूटी और कॉन्फिडेंट अंदाज और हप्पू सिंह और सक्सेना का आई लाइक इट अब ज़ी सिनेमा और जी स्टूडियोज की इस फिल्म में दिखेगा।

ओरिजिनल कास्ट अपने आइकॉनिक रोल में नजर आएंगे। रवि किशन, मुकेश तिवारी और निरहुआ भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। उनकी ज़बरदस्त एनर्जी और आसान ह्यूमर से उम्मीद है कि यह कॉमेडी एडवेंचर एक नए लेवल पर पहुंच जाएगा।

भाबीजी घर पर हैं फन ऑन द रन जी सिनेमा और एडिट-।। क । प्रोड्यूस किया हुआ है। यह फैमिली कॉमेडी ड्रामा अगले साल यानी 6 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर आएगा।

जनवरी में भाबीजी घर पर हैं ने 2500 एपिसोड पूरे किए, इस माइलस्टोन को सेलिब्रेट करते हुए, टीम ने पूरी कास्ट और क्रू की मौजूदगी में सेट पर एक ग्रैंड केक-कटिंग सेरेमनी रखी। बता दें, 1990 के दशक के हिंदी सिटकॉम श्रीमान श्रीमती से इंस्पायर्ड भाबीजी घर पर हैं का प्रीमियर 2 मार्च 2015 को एंडटीवी पर हुआ था और यह जी5 पर डिजिटली अवेलेबल है।

# फिल्म 'धुरंधर' का नया गाना 'गहरा हुआ' रिलीज, रोमांटिक अंदाज में दिखे रणवीर सिंह और सारा अर्जुन

**आगामी फिल्म 'धुरंधर' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना गहरा हुआ रिलीज कर दिया है। इस गाने में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन का रोमांटिक अंदाज देखन को मिल रहा है।**

मेकर्स ने फिल्म धुरंधर का नया गाना गहरा हुआ रिलीज किया है। 3 मिनट 50 सेकेंड के इस गाने में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन पहले तो बाइक पर साथ में कहीं सैर करते दिख रहे हैं। फिर दोनों मॉल में भी रोमांटिक अंदाज में दिखते हैं। कई सीन्स हैं, जो दर्शकों का ध्यान खींचती नजर आ रही हैं।

गहरा हुआ सॉन्ग की बात करें, तो इसे अरिजीत सिंह और अरमान खान ने मिलकर गाया है। वहीं इसे इरशाद कामिल ने लिखा है और शाश्वत सचदेव द्वारा कंपोज किया गया है। नेटिजंस इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने कहा कि अरिजीत सिंह का समय कभी नहीं खत्म होगा।

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित 'धुरंधर' में एक भारी भ र क म स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा कुछ तो सामने नहीं आया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह एक स्पाई थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

# सामंथा रुथ प्रभु ने लिया डेविड बेकहम का इंटरव्यू

**पिछले काफी वक्त से लगातार चर्चाओं में बने दिग्गज फुटबॉलर डेविड बेकहम अब एक इवेंट में पहुंचे हैं। जहां उनके साथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु भी नजर आईं। अब इस इवेंट के वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इस इवेंट में सामंथा और डेविड बेकहम ने आपस में बातचीत भी की।**

वायरल हो रहे वीडियो में डेविड बेकहम के साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु भी नजर आईं। डेविड बेकहम और सामंथा रुथ प्रभु को साथ देखने के बाद फैंस काफी ह र ा न नजर आ रहे हैं।

वीडियो में फुटबॉल स्टार डेविड बेकहम और एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु मुंबई में आयोजित एक इवेंट से बाहर निकलते हुए नजर आए। इसी इवेंट में सामंथा ने डेविड बेकहम का इंटरव्यू भी लिया। इवेंट के अलग-अलग वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक वीडियो में फुटबॉलर स्टेज पर पहुंचते हैं और सभी से हाथ मिलाते हैं। इस दौरान वो सामंथा से भी मिलते हैं। जबकि एक अन्य वीडियो में सामंथा डेविड बेकहम के साथ इंटरव्यू करती दिख रही हैं।

## स्टाइलिश लुक में दिखीं सामंथा

इस इवेंट में सामंथा जहां ग्रे कलर के स्टाइलिश सूट में नजर आईं। वहीं फुटबॉलर डेविड बेकहम ब्लैक टीशर्ट और जींस में काफी स्टाइलिश लुक में दिखाई दिए।

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु पिछले काफी वक्त से अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। सामंथा का नाम 'द फैमिली मैन' फेम निर्देशक राज निदिमोरू से जुड़ रहा है। सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू कई इवेंट में भी साथ नजर आ रहे हैं। अभी हाल ही में एक्ट्रेस ने राज निदिमोरू के साथ अपनी रोमांटिक फोटोज भी शेयर की थी।

# प्रिंटेड ऑफ शोल्डर ड्रेस पहन श्वेता तिवारी ने बिखेरा जलवा, दिलकश अदाओं से फैंस को बनाया दीवाना

**टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत और सदाबहार एक्ट्रेसेस में से एक, श्वेता तिवारी, अपनी उम्र को मात देने वाली सुंदरता और फैशन सेंस के लिए अक्सर चर्चा में रहती हैं। 45 की उम्र को पार कर चुकीं श्वेता आज भी अपनी फिटनेस और स्टाइल से आज की एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं. उनकी खूबसूरती के आगे उनकी बेटी पलक तिवारी भी फीकी लगती हैं।**

हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक प्रिन्टेड ऑफ-शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाओं और कॉन्फ़िडेंस ने एक बार फिर उनके फैंस को अपना दीवाना बना दिया है.

श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक ऐसा लुक चुना है जो ट्रेंडी होने के साथ-साथ क्लासी भी है. श्वेता ने एक बहुत ही आकर्षक प्रिन्टेड ऑफ-शोल्डर मिडी ड्रेस पहनी हुई है. यह ड्रेस गोल्डन कलर के साथ प्रिन्ट का कॉम्बिनेशन है, जो उनके लुक को मॉडर्न फील दे रहा है.

ड्रेस का ऑफ-शोल्डर डिजाइन उनके टोन्ड कंधों और कॉलर बोन को हाइलाइट कर रहा है, जिससे वो और भी ज्यादा खूबसूरत लग रहीं हैं। श्वेता तिवारी का सभी ड्रेस या लुक एकदम अलग और शानदार होता है, जो लोगों को बेहद पसंद आता है।

उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ पूरा किया है आई मेकअप और न्यूड लिपस्टिक के साथ, उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है, जिससे उनका लुक और भी ज़्यादा नैचुरल और फ्रेश लग रहा है.

ड्रेस ही नहीं, श्वेता तिवारी का पोज देने का अंदाज और उनका कॉन्फिडेंस ही उनकी तस्वीरों को स्पेशल बना देता है। हर तस्वीर में उनके पोज बहुत आकर्षक है। उनकी मुस्कान हमेशा की तरह लोगों का दिल जीत रहा है श्वेता तिवारी हमेशा से ही अपने फैशन चॉइस के साथ एक्सपेरिमेंट करती रही हैं। उनकी यह तस्वीरें उनके फैंस और 40 से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए एक और भी ज्यादा स्पेशल हैं. फैंस एक्ट्रेस की इन फोटो को बहुत पसंद कर रहें हैं और कमेंट कर रहें हैं।

# 11 स्वास्थ्य संस्थाओं का सफलतापूर्वक NQAS मूल्यांकन कराया गया

## जिला मुख्यालय से 200 किलोमीटर दूर स्थित किस्टाराम उपस्वास्थ्य केंद्र भी शामिल, सीमित संसाधनों के बावजूद सेवा गुणवत्ता कायम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को तेजी से जमीन पर उतार रही है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत हाल ही में राज्य के आकांक्षी जिले दंतेवाड़ा व सुकमा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। पिछले पंद्रह दिनों में यहां कुल 11 स्वास्थ्य संस्थानों का सफलतापूर्वक मूल्यांकन पूरा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के तकनीकी सहयोग से इन जिलों में सफलतापूर्वक मूल्यांकन किया गया है।

विदित हो कि सुकमा जिले के 4 और दंतेवाड़ा जिले के 7 संस्थान इस मूल्यांकन में शामिल रहे। सुकमा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुरड़ी, उप स्वास्थ्य केंद्र कंजिपानी (छिंदगढ़), किस्टाराम व गगनपल्ली (कोंटा) तथा दंतेवाड़ा में उप स्वास्थ्य केंद्र बड़े बचेली, बड़े कमेली (दंतेवाड़ा), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फरसपाल, उप स्वास्थ्य केंद्र मडसे (गीदम), मेलावाड़ा, अरनपुर व कोड़ेनार (कुआकोंडा) ने हृक्र मूल्यांकन में भाग लिया।

### दुर्गम क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का विस्तार

इनमें कोंटा ब्लॉक का किस्टाराम उपस्वास्थ्य केंद्र विशेष रूप से सुर्खियों में है। जिला मुख्यालय से करीब 200 किलोमीटर और ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। दो राज्यों की सीमाएं पार कर पहुंचने वाली इस कठिन भौगोलिक स्थितिकी चुनौतियों के बावजूद यहां कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने सेवा गुणवत्ता का स्तर बनाए रखा है।

नक्सल प्रभावित व दूरस्थ क्षेत्रों में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य अधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन 11 संस्थानों का हृक्र मूल्यांकन इस तथ्य का प्रमाण है कि संसाधन सीमित हों या सुरक्षा चुनौतियां—जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता यदि अडिग हो, तो उत्कृष्टता की राह अवश्य बनती है।

सरकार का दावा है कि ऐसे प्रयासों से अब आदिवासी बहुल एवं दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को भी पहले से अधिक सुगम, भरोसेमंद व गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

# खान-पान और जीवनशैली में प्रकृति के विरुद्ध जाने से बचें- राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि स्वस्थ रहने के लिए हमें प्रकृति के नियमों का ध्यान रखा जाना चाहिए। हमारा खान-पान और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप होने से हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं।

राज्यपाल रमेन डेका रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित छत्तीसगढ़ ओबिसिटीज़, डायबिटिज एंड इंडोक्राइन (मोटापा, मधुमेह, अंत:स्त्रावी) सोसाइटी (कोड) के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज डायबिटीज़, मोटापा और हार्मोन संबंधी बीमारियां न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में भी एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभर रही है। भारत को दुनिया का डायबिटीज कैपिटल कहा जाने लगा है, छत्तीसगढ़ की स्थिति भी चिंता बढ़ाती है। राज्य में 15 से 19 आयु समूह में लगभग 9 से 10 प्रतिशत वयस्कों में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से अधिक पाया गया है और शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत और तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, मोटापा और मानसिक बीमारी ये सब हमारी सिविलाइजेशन से पैदा हुई समस्या है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण- विशेषकर माइक्रो प्लास्टिक का उपयोग हमारी सेहत पर विपरीत असर डालने वाली एक बड़ी चुनौती है।

श्री डेका ने कहा कि आज हम जीवन शैली और व्यवहार में पश्चिमी शैली का अनुसरण कर रहे हैं। राज्यपाल ने 600 ईसा पूर्व रचित प्राचीन ग्रंथ चरक संहिता का उल्लेख करके हुए कहा कि उस समय भी भोजन की गुणवत्ता और प्रकृति को चयापचय संबंधी रोगों का मूल माना गया था।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि अनुचित आहार ही शरीर के संतुलन को बिगाड़कर रोगों की जड़ बनता है। आज विज्ञान भी यही सिद्ध कर रहा है। आज जो मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है, वह जंक फूड के कारण है। राज्यपाल ने चिकित्सकों की सामाजिक और नैतिक भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि चिकित्सक अपने सफेद एप्रॉन को दाग से मुक्त रखें।

राज्यपाल ने चिकित्सकों को समाज का मार्गदर्शक बताया। राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में निजी चिकित्सक और चिकित्सा संस्थान जो योगदान दे रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि छत्तीसगढ़ में सिकलसेल के प्रति जनजागरूकता लाने और टीबी के उन्मूलन में योगदान दें। कार्यक्रम में प्रो. एसएन मिश्रा को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया, साथ ही क्विज प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

# पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल का धर्मगुरु प्रकाश मुनिनाम से सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** महान संत कबीर साहेब जी के पावन स्थल दामाखेड़ा आश्रम में संस्कृति मंत्रीराजेश अग्रवाल ने प्रकाश मुनिनाम साहेब जी से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान धार्मिक विषयों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक विषयों पर भी गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, कैबिनेट मंत्री ओ पी चौधरी, विधायक श्रीमती भावना बोहरा, किरण सिंह देव एवं कृष्णा राय भी उपस्थित थे।

सभी ने संत कबीर एवं उनके उपदेशों की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता के बारे में विचार साझा किए। धर्मगुरु प्रकाश मुनिनाम साहेब जी ने कहा कि संत कबीर जी के संदेश आज भी अज्ञानता और भेदभाव मिटाने में हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों की सराहना की। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि यहाँ आने से उन्हें आध्यात्मिक बल मिला है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी कहा कि धार्मिक मेलजोल और सामाजिक समरसता के लिए ऐसे आश्रम और पावन स्थल महत्वपूर्ण हैं। कल्याणकारी योजनाओं में धर्म और संस्कृति का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

# धमतरी में स्टार्टअप वीकेंड का सफल आयोजन जिले को नवाचार मानचित्र पर नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी द्वारा विश्वस्तरीय स्टार्टअप एक्सीलरेटर टेकस्टार्स के सहयोग से तीन दिवसीय टेकस्टार्स स्टार्टअप वीकेंड धमतरी का सफलतापूर्वक आयोजन 28 से 30 नवम्बर 2025 तक किया गया।

पहली बार छत्तीसगढ़ के किसी गैर-महानगरीय जिले में आयोजित इस वैश्विक स्तर की गतिविधि ने धमतरी को उभरते स्टार्टअप हब के रूप में नई पहचान दिलाई है।टेकस्टार्स: वैश्विक स्तर का स्टार्टअप एक्सीलरेटरटेकस्टार्स विश्वभर के प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप को पूँजी निवेश, तीन माह के संरचित कार्यक्रम, मेंटरशिप और वैश्विक विशेषज्ञ नेटवर्क के माध्यम से गति देने वाला अग्रणी एक्सीलरेटर है। 150 से अधिक देशों में हजारों स्टार्टअप के साथ कार्य कर चुके इस संगठन की विशेषज्ञता अब सीधे धमतरी के युवाओं तक पहुँची।स्थानीय चुनौतियाँ और प्रशासन की दूरदर्शी पहलजिले एवं प्रदेश के युवा लंबे समय से निवेश, मेंटरशिप, बाजार-एक्सपोज़र और व्यवस्थित इनक्यूबेशन सुविधाओं के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे थे। इन आवश्यकताओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने टेकस्टार्स को धमतरी आमंत्रित किया, जिसके फ्लस्वरूप स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय मार्गदर्शन मिला और स्टार्टअप इकोसिस्टम को गति मिली।तीन दिवसीय कार्यक्रम का विवरणकार्यक्रम की शुरुआत पंजीयन, उद्घाटन और ओरिएंटेशन सत्र से हुई। तीन दिनों में बिज़नेस मॉडलिंग, मार्केट रिसर्च, टीम बिल्डिंग, प्रोटोटाइप विकास, प्रैक्टिस पिचिंग और 'ओवरनाइट वर्क स्प्रिंट' जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई।दूसरे दिन गंगरेल जलाशय में बोट आइडिएशन सेशन, मेंटरशिप वर्कशॉप तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रमुख आकर्षण रहीं। अंतिम दिन निवेशकों और इनक्यूबेटर्स के समक्ष फइनल पिच आयोजित की गई, जिसमें सर्वश्रेष्ठ टीमों को सम्मानित किया गया।फैसिलिटेटर की प्रशंसाकार्यक्रम के आधिकारिक फैसिलिटेटर एवं ट्रुष्ट महिंद्रा के सीईओ इस्माइल अकबानी ने कहा किधमतरी में आयोजित स्टार्टअप वीकेंड, छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा और सुव्यवस्थित आयोजन है। प्रशासनिक सहयोग, युवा भागीदारी और पेशेवर प्रबंधन इस आयोजन को प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए नई दिशा प्रदान करेंगे।जला कलेक्टर अभिनाश मिश्रा ने इस आयोजन को जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि धमतरी जैसे उभरते शहर में टेकस्टार्स का आयोजन होना अपने आप में ऐतिहासिक है। हमारा प्रयास है कि जिले के युवाओं को बड़े शहरों जैसी सभी अवसर-सुविधाएँ यहीं उपलब्ध हों।

### टीबी मुक्त बस्तर की दिशा में सार्थक पहल

**जगदलपुर ।** बस्तर कलेक्टर हरिस एस. के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम टीबी मुक्त बस्तर, टीबी मुक्त छत्तीसगढ़, टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जगदलपुर शहरी क्षेत्र में निक्षय मित्रों द्वारा दान में प्राप्त अतिरिक्त पोषण आहार फूड बास्केट शहर के 50 उपचारित टीबी मरीजों को वितरण किया गया। साथ ही टीबी मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने हेतु जागरूक तथा प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वार्डों के पार्षद रौशन सिसोदिया, आशा साहू, जोस्टिन भवानी एवं पूनम सिन्हा उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य विभाग से सीएमएचओ डॉ संजय बसाक, नोडल अधिकारी डॉ. मैत्री, जिला प्रबंधक शहरी पीडी बस्तिया, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी, प्रशांत श्रीवास्तव, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, एमटी एवं मितानिन उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ में आज से बिजली बिल हाफयोजना लागू, 42 लाख उपभोक्ताओं को सीधा फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के बाद पूरे प्रदेश में आज से बिजली बिल हाफयोजना फिर से लागू हो गई। इस योजना का सीधा लाभ उन परिवारों को मिलेगा जिनकी मासिक खपत 200 यूनिट तक है। ऐसे उपभोक्ता अब अपने बिल का केवल आधा भुगतान करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा विधानसभा के विशेष सत्र में की, जहां उन्होंने कहा कि सरकार आम जनता को आर्थिक राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है।

### चार महीने पहले हुआ था बड़ा बदलाव

इससे पहले 1 अगस्त 2025 को सरकार ने पुराने प्रावधानों में संशोधन किया था। भूपेश बघेल सरकार के समय लागू 400 यूनिट की सीमा को घटाकर 100 यूनिट कर दिया गया था। इस बदलाव का असर लाखों उपभोक्ताओं पर पड़ा और कई परिवार योजना के दायरे से बाहर हो गए थे। नई सरकार के फैसले से अब फिर बड़ी संख्या में उपभोक्ता राहत पा सकेंगे।

सरकार ने पीएम सौर योजना को बढ़ावा देने के लिए भी नई पहल जोड़ी है। जिन उपभोक्ताओं की मासिक खपत 200 से 400 यूनिट के बीच है, वे भी अगले एक साल तक 200 यूनिट पर हाफबिल का लाभ ले सकेंगे। यह अंतरिम राहत इसलिए दी गई है ताकि उपभोक्ता इस अवधि में पीएम सौर योजना के लिए पंजीकरण करा सकें और अपने घरों में सोलर पैनल लगवा सकें। सरकार का अनुमान है कि 45 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से 42 लाख को इस निर्णय से सीधा लाभ मिलेगा।

### जनता को राहत, विपक्ष का हमला जारी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विशेष सत्र ऐतिहासिक था और जनता को राहत देना इसका सबसे अहम हिस्सा था। सत्र से पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने मांग की थी कि राज्य को ऐसी सौगात दी जाए जो लंबे समय तक याद रखी जाए। हालांकि कांग्रेस ने विधानसभा और सड़क दोनों जगह इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि भूपेश बघेल सरकार 400 यूनिट तक हाफबिजली बिल का लाभ दे रही थी और नई सरकार को उसी व्यवस्था को बहाल करना चाहिए। पार्टी ने इस मुद्दे पर सीएम हाउस घेराव की घोषणा भी कर दी है।

### हाफ बिजली बिल योजना क्या है

हाफबिजली बिल योजना 1 मार्च 2019 को शुरू की गई थी। इसका मकसद घरेलू उपभोक्ताओं को बढ़ती महंगाई से राहत देना था। योजना के तहत: 400 यूनिट या उससे कम खपत पर उपभोक्ता को केवल आधा बिल भरना होता था। अगर खपत 400 यूनिट से ज्यादा होती थी, तो पहले 400 यूनिट पर आधी दर लागू रहती थी और उसके बाद की यूनिट पर तय सामान्य दरें ही लगती थीं।

# कलेक्टर प्रजापति ने दिव्यांग जीवन को दिया ट्राइसाइकिल, खिला चेहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**मोहला।** जिला कार्यालय परिसर में आज एक मार्मिक दृश्य देखने को मिला, जब विकासखंड मोहला के ग्राम मार्री जीवन लाल परतेती अपनी रोजमर्रा की पीड़ा और संघर्ष को शब्दों में समेटे हुए समाज कल्याण विभाग पहुँचे। वर्षों से चलने-फिरने में गंभीर कठिनाई झेल रहे श्री जीवन लाल परतेती केवल एक लकड़ी के डंडे के सहारे चलने को मजबूर थे। यह डंडा उनका सहारा जरूर था, परंतु इसके साथ हर कदम दर्द, असुविधा और असहायता की याद भी लेकर आता था।

दैनिक कार्य करना उनके लिए चुनौती बन चुका था। जैसे थोड़ी दूरी तक भी चल पाना कठिन, लगातार शारीरिक दर्द, संतुलन बनाए रखने में परेशानी, साधारण कामों में दूसरों पर निर्भरता एवं घर से बाहर निकलना भी जोखिम भरा रहता था। इसी पीड़ा को लेकर बंया करते श्री जीवन लाल ने समाज कल्याण विभाग में आवेदन दिया। आवेदन देते समय उनकी आँखों में एक उम्मीद की चमक थी। शायद अब उन्हें वह सहायता मिल सके जिसकी वे लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे।

उनकी इस गहरी पीड़ा को समझते हुए समाज कल्याण विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिव्यांगजनों हेतु सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत उनके द्वारा दिए आवेदन का तत्काल निराकरण किया। तत्पश्चात आज कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने श्री जीवन लाल परतेती को ट्राइसाइकिल तथा वॉकर प्रदान किया। उपकरण प्राप्त करते ही उनके चेहरे पर एक अलग ही खुशी और राहत की मुस्कान दिखने को मिली।

लंबे समय से सहारे की तलाश कर रहे श्री परतेती ने उपकरण पाकर शासन और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया और बताया कि यह सहायता उनके जीवन में नई रोशनी और आत्मनिर्भरता लेकर आई है।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

यह ट्राइसाइकिल और वॉकर न केवल आपकी सुविधा बढ़ाएँगे, बल्कि आपको नए अवसर और आत्मविश्वास भी देंगे। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग से श्री अखिलेश तिवारी उपस्थित रहे।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

# दुर्ग-पुलिस की लापरवाही, अपने इलाके का रिकॉर्ड नहीं रख रहे

## ज्यादातर थानों में नोटबुक नहीं, अब टीआई-एसपी करेंगे मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग-भिलाई।** दुर्ग जिले के थानों में काम कर रहे पुलिसकर्मियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। थानों में तैनात प्रधान आरक्षक और आरक्षक पुलिस रेग्युलेशन के सबसे अहम नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। थानों में तैनात आरक्षकों को अपनी इन्फॉर्मेशन नोट बुक और ऑब्जर्वेशन नोट बुक रखना होता है, जिसे वे नहीं रख रहे।

इन नोट बुक में आरक्षकों को क्षेत्र के सभी तरह के लोगों का रिकॉर्ड रखना होता है। लेकिन ज्यादातर थानों में इन नियमों का पालन नहीं हो रहा हैं। जिले के लगभग सभी थानों में इसी तरह की लापरवाही सामने आई है। सीनियर एसपी विजय अग्रवाल ने यह गलती पकड़ी है। एसएसपी के जारी निर्देश में इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि पुलिस रेग्युलेशन के पैरा 595 से 599 तक इन नोटबुकों को रखना अनिवार्य है।

लेकिन देखा जा रहा है कि इस इकाई के थानों में पदस्थ प्रधान आरक्षक और आरक्षकों के द्वारा थाना क्षेत्र बीट अनुसार जानकारी दर्ज करने के लिए दोनों ही नोटबुक नहीं रखी जा रही है।

### पुलिसकर्मी नहीं कर रहे पालन

पुलिस रेग्युलेशन में अनिवार्य नियम होने के बावजूद वास्तविकता यह है कि कई थानों में तैनात कर्मचारी इन नोटबुकों को रखते ही नहीं या फिर अपडेट नहीं करते। इससे बीट में क्या स्थिति है, कौन-कौन लोग सक्रिय हैं, किस पर निगरानी रखनी चाहिए इन सब बातों की सही जानकारी पुलिस के पास उपलब्ध नहीं रहती। ज्यादातर आरक्षक और प्रधान आरक्षक इसका पालन नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि विभाग ने इसे गंभीर लापरवाही माना है।

### कड़ाई करने एसएसपी ने दिए निर्देश

थानों में हो रही नियमों की अनदेखी के बाद दुर्ग एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि थाना प्रभारी अपने-अपने थानों में पदस्थ प्रधान आरक्षक और आरक्षकों से इस नियम का कड़ाई से पालन करवाएं।

समय-समय पर थाना प्रभारी और अनुविभागीय अधिकारी खुद इन किताबों की जांच करेंगे और यदि कोई कमी पाई जाती है तो तुरंत उस कर्मचारी को निर्देशित करेंगे।

### नियम न मानने पर सजा भी मिलेगी

अब थानों में तैनात प्रधान आरक्षक और आरक्षकों को दोनों ही नोटबुक को सही तरीके से रखना होगा। टीआई और सीएसपी इसकी निगरानी करेंगे। यदि किसी भी थाने का आरक्षक या प्रधान आरक्षक नोटबुक नहीं रखता है या फिर बीट में जानकारी अधूरी पाई जाती है तो उसके आधार पर उक्त पुलिसकर्मी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। दुर्ग एसएसपी ने इस संबंध में सख्त आदेश जारी किए हैं।

### जानिए क्या है आईएनबी और ओएनबी

**आईएनबी:** इसमें बीट क्षेत्र की पूरी जानकारी दर्ज होती है। इसमें कौन-कौन सी गली आती है, कौन-कौन से लोग रहते हैं, किन-किन जगहों पर ज्यादा भीड़ लगती है, ये शामिल होते हैं।

इसकी नोटबुक अलग बनती है। जिसे आरक्षकों को संभाल कर रखना होता है, इसको लगातार अपडेट करते रहना पड़ता है।

**ओएनबी:** इसमें इलाके के महत्वपूर्ण स्थान, महत्वपूर्ण लोग, अच्छे-बुरे व्यक्ति, बार-होटलों की सूची, कबाड़ी, लाइसेंसधारी, निगरानी बदमाश, गुण्डा बदमाश, माफी बदमाश, सजायाफ्ता, संदिग्धों और अन्य संवेदनशील स्थानों की जानकारी रखी जाती है। इससे पुलिस को किसी भी घटना की स्थिति में तुरंत सही जानकारी मिल जाती है।

## खास खबर

### ट्रेलर ने टक्कर मार 20 मीटर घसीटा, बाइक सवार की मौत

**धौंराभांठा।** धौंराभांठा और खुरूसलेंगा के बीच स्थित मुख्य मार्ग पर रविवार 30 नवंबर की सुबह लगभग 4 बजे सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने मौके पर चक्का जाम कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम जोबरो निवासी अमरसाय राठिया (30) अपनी फर्स्ट शिफ्ट ड्यूटी के लिए बाइक से निकले थे। खुरूसलेंगा पार करने के बाद धौंराभांठा शराब भट्ठी के पास पहुंचते ही धौंराभांठा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रेलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। वाहन अमरसाय को बाइक सहित लगभग 20 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और अत्यधिक रक्त बहने के कारण मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल सड़क पर चक्काजाम कर विरोध जताया और तमनार पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्रित हो गए और मृतक के परिजनों को भी सूचना दी गई। ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों के साथ खड़े होकर उचित मुआवजे, तथा दुर्घटना कारित टेलर वाहन के चालक और वाहन मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

### नंदिनी पुलिस ने पकड़ी शराब की खेप, अवैध रूप से लाई जा रही थी शराब

**भिलाई।** दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब की खेप पकड़ी है। दूसरे राज्य की यह देशी शराब अवैध रूप से छत्तीसगढ़ लाई जा रही थी। धमधा से नंदिनी खुंदनी होते हुए दुर्ग जिले में प्रवेश करते ही पुलिस ने रेड की। पुरानी सफारी वाहन से पुलिस ने कुल 28 पेटी देशी शराब जब्त की। साथ ही सफारी, नगदी व मोबाइल फोन के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। मिली जानकारी के अनुसार नंदिनी पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि धमधा मार्ग से नंदिनी खुंदिनी होते हुए दूसरे राज्य से पुरानी टाटा सफारी गाड़ी में अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है। उक्त सूचना पर तत्काल थाना नंदिनी नगर की पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये रास्ते में रेड की गई। पुरानी सफारी को रुकवाया और तलाशी ली गई। सफारी में 28 पेटी देशी शराब कीमत 1,34,400 रुपए बरामद किया गया। पुलिस ने टाटा सफारी वाहन कीमती 03 लाख रुपए, 4 स्मार्ट फोन कीमती 25000 रुपए तथा नगदी 15100 रुपए कुल जुमला कीमती 4,74,500 रुपए जब्त किया गया। आरोपियों का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने पर विधिवत कार्यवाही की गई।

### इंस्टाग्राम के माध्यम से अश्लील गाली गलौज देने वाले आरोपी गिरफ्तार

**राजनादगांव।** शुक्रवार को थाना छुरिया में दर्ज अपराध क्रमांक 281/2025 धारा 296, 351(4) भारतीय न्याय संहिता के प्रार्थी के इंस्टाग्राम एकाउंट में अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपने इंस्टाग्राम आई डी से अश्लील गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी का मैसेज पोस्ट करने बाबत लिखित शिकायत पर थाना छुरिया में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मामले में सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना छुरिया पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अज्ञात इंस्टाग्राम आईडी धारक आरोपी का पता तलाश कर आरोपी फैजान खान पिता मुश्ताक खान उम्र 23 वर्ष निवासी सीताबर्डी छुरिया थाना छुरिया को भिलाई से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर अपराध घटित करना स्वीकार करने पर आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन जप्त कर मामले में धारा 66 (सी) सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम जोड़ कर 30 नवम्बर को प्रकरण में गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही किया गया तथा परिशांति कायम रखने हेतु आरोपी के विरुद्ध धारा 170/126,135(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कार्यवाही कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट छुरिया न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है।

# साइबर ठगी के आरोपी आंध्रप्रदेश से पकड़ाए निवेश के नाम पर लिंक भेजकर लाखों की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** दुर्ग साइबर थाना पुलिस ने फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर हुई ठगी के मामले में आंध्रप्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दुर्ग के एक व्यक्ति से 48 लाख 67 हजार 500 रुपए की ठगी की थी। साइबर ठगों ने पीड़ित को इंस्टाग्राम पर निवेश का झांसा देकर लिंक भेजा था। इसके बाद बैंक खाते से लाखों रुपए निकाल लिए थे। पुलिस ने दोनों ही आरोपी को आंध्रप्रदेश के अनकापल्ली से पकड़ा है। दोनों को दुर्ग लाकर अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें केंद्रीय जेल भेज दिया गया है।

### लिंक पर क्लिक करते ही हर स्टेप पर खाते से कटे पैसे

9 अक्टूबर 2025 को पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि इंस्टाग्राम पर फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश का झांसा दिया गया था। एक लिंक भेजा गया, जिस पर क्लिक करने पर उनसे कई चरणों में बड़ी रकम जमा कराई गई। बाद में पता चला कि यह पूरा मामला ठगी का था। शिकायत मिलने पर साइबर थाना दुर्ग ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

### 5 सदस्यों की टीम गई थी आंध्रप्रदेश

तकनीकी जांच में आरोपियों की लोकेशन आंध्रप्रदेश के अनकापल्ली जिले में पाई गई। इसके बाद एक विशेष टीम वहां भेजी गई। टीम ने वहां से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में पी. सत्यनागा मूर्ति, (25 साल) और बालाजी श्रीनू, (34 साल) शामिल है।

### अनजान लिंक पर क्लिक न करने की सलाह

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए दुर्ग रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग और एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल ने कहा है कि सोशल मीडिया या अन्य किसी भी माध्यम से आए हुए किसी भी अनजान लिंक, फॉरेक्स ट्रेडिंग या ऑनलाइन निवेश के लालच में न आएं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सायबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी सायबर थाना में दें।

### कवर्धा में प्रार्थना सभा को लेकर मचा हंगामा

**कवर्धा।** कवर्धा के रविदास नगर में एक मकान में चल रही प्रार्थना सभा को लेकर रविवार को हंगामे की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर हिन्दू संगठन के कुछ लोग वहां पहुंचे, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से हर रविवार को मकान में इस तरह की 'चंगाई सभा' आयोजित की जा रही थी, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से आए लगभग 100 लोग, महिलाएं और बच्चे शामिल होते थे। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आयोजकों से पूछताछ जारी है।

# फॉरेस्ट गार्ड की पत्नी का मिला शव, पति के साथ हुआ था विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में फॉरेस्ट गार्ड की पत्नी सोनतछा (28 वर्ष) का शव सरकारी क्वार्टर में मिला। पुलिस महिला की हत्या की आशंका जता रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई है। घटना छाल थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार, छाल रेंज के गंजाईपाली में पदस्थ बीटगार्ड यादराम अजगल्ले की पत्नी सोनतछा (28 साल) का शव सरकारी क्वार्टर में मिला। रविवार को ग्रामीणों को यह पता चला और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

### हत्या की आशंका

बताया जा रहा है कि फॉरेस्ट गार्ड यादराम अजगल्ले शराब पीने का आदि था। शनिवार को उसके और पत्नी सोनतछा के बीच किसी पारिवारिक बात को लेकर विवाद हुआ। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि डंडे से मारकर हत्या की गई है। पुलिस मामले की आगे भी जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का स्पष्ट पता चलेगा।

# किसानों के मक्के की अफरा तफरी करने वाला ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जगदलपुर।** किसानों और व्यापारियों के मक्के की अफरा तफरी करने वाले एक ट्रांसपोर्टर को बस्तर की भानपुरी थाना पुलिस ने आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी राजनांदगांव जिले के तुमड़ीबोड़ का निवासी है। मामले में 6 लाख रुपए मूल्य का 33 टन मक्का के साथ ट्रक को जप्त किया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना भानपुरी में धारा 316(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना जा रही है। गिरफ्तार आरोपी रहिमन टीकमदास बड़बाग पिता टीकमदास बड़बाग उम्र 39 वर्ष निवासी तुमड़ीबोड़ जिला राजनांदगांव, हाल निवासी मुक्तागिरी कालोनी राजनांदगांव को पकड़ा गया है।

आरोपी के कब्जे से 6 लाख कीमत का 33 टन मक्का एवं घटना में प्रयुक्त ट्रक सीजी 08-एएफ6611 कीमत 20 लाख जप्त किया गया है। प्रार्थी हरदेव बघेल पिता स्व. धनुराम बघेल जाति कलार निवासी सालेमेटा थाना भानपुरी के 33 टन मक्के को आरोपी 25 नवंबर को अपने ट्रक पर लोड कर आरोपी रहिमन टीकमदास बिना बताए ले गया था। हरदेव बघेल की रिपोर्ट पर थाना भानपुरी में धारा 316 (3) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग के निर्देशन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी भानपुरी प्रवीण भारती के पर्यवेक्षण में थाना भानपुरी से टीम गठित कर आरोपी को आंध्रप्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के देवरपल्ली थाना के गोलागुंडम में वाहन के साथ पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार करते हुए बताया कि 14 नवंबर को एमएच ट्रेडर्स (तारा ट्रेडर्स) के यहां से अपने झांसे में लेकर करीब 33 टन मक्के को लोड करके अपने ट्रक समेत उड़ीसा के बोरिगांव के पास बेच दिया है। पैसा अपने नाम से अपने बैंक खाता में लिया है। जिसके बाद 20 नवंबर को बाबा ट्रेडर्स फरसगांव के यहां से अपने झांसे में लेकर मक्का को लोड करके मक्का को परमेश्वरी बायोटेक देवरपल्ली आंध्रप्रदेश में तारा ट्रेडर्स के नाम से झूठ बोलकर बेचा है।

चितलेश बघेल पिता हरदेव बघेल ग्राम सालेमेटा से 25 नवंबर को मक्का भरकर झांसा देकर चुपचाप बिना बताए ले भागा और परमेश्वरी बायोटेक देवरपल्ली आंध्रप्रदेश में मक्का को बाबा ट्रेडर्स के नाम से बेचा। मक्का को अपने ट्रक सीजी 08- एएफ 6611 पर भरकर परिवहन करना व बेचना बताया। आरोपी के कब्जे से 33 टन मक्का एवं ट्रक को जप्त किया गया है। तथा उसके बैंक खाते को सीज करा दिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय जगदलपुर में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

इस कार्रवाई में निरीक्षक हर्ष कुमार धुरंधर थाना प्रभारी भानपुरी, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मीनाथ ध्रुव, एएसआई रैनूराम मौर्य, प्रधान आरक्षक किशोर कुमार गुप्ता, आरक्षक तरूण यादव का बड़ा योगदान रहा।

### जमीन विवादः कुल्हाड़ी व डंडों से हमला, कई घायल

**जशपुरनगर।** जशपुरनगर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह जमीन पर कब्जे को लेकर हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। वार्ड-5 के भट्ठीकोना इलाके में दो परिवारों के बीच जमकर हुई मारपीट में आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को बगीचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। यहां के दो परिवारों के बीच लंबे समय से चल रहे जमीन कब्जे के विवाद को लेकर सुबह एक बार फिर कहा-सुनी हो गई। विवाद कुछ ही देर में हिंसक हो गया और खूनी संघर्ष में बदल गया। घटना की सूचना मिलते ही बगीचा एसडीओपी और थाना प्रभारी स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले के आधार पर अग्रिम कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। फिलहाल घायलों का उपचार जारी है। थाना प्रभारी बगीचा गौरव पाण्डेय ने बताया कि दो पक्ष में मारपीट के मामले में सजन राम नगेशिया की ओर से बलवा और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया गया है। जबकि दूसरे पक्ष ने बलवा का मामला दर्ज कराया। परिवार के सजन राम ने बताया कि विवादित जमीन पर यादव परिवार के लोग बलपूर्वक कब्जा किए हुए हैं। इसकी शिकायत उन्होंने राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन से पहले ही की हुई है।

# सिंगरौली से कुदरगढ़ धाम दर्शन करने आए श्रद्धालुओं की कार पेड़ से टकराई, एक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**सूरजपुर।** सूरजपुर जिले के शक्तिपीठ मां कुदरगढ़ धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो तेज रफ्तार में पेड़ से जा टकराई। हादसे में बोलेरो सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं, सात अन्य घायल हुए है। घायलों में 4 की हालत गंभीर है, जिन्हें रेफर कर दिया गया है।

मामला ओड़गी थाना क्षेत्र का है। सभी मध्यप्रदेश के सिंगरौली के रहने वाले थे। 30 नवंबर को माता के दर्शन के लिए सूरजपुर आए हुए थे। रात में लौटते समय हादसा हुआ। बताया जा रहा है मृतक का शव गाड़ी में फंसा था, जिसे मशक्कत के बाद निकाला गया।

### सभी एमपी सिंगरौली के रहने वाले थे

जानकारी के मुताबिक, मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के कुम्हिया गांव के श्रद्धालु 30 नवंबर की रात बोलेरो में सवार होकर सूरजपुर के मां कुदरगढ़ी धाम में दर्शन के लिए पहुंचे थे।

देर शाम वे वापस मध्यप्रदेश जाने के लिए निकले थे। ओड़गी और चांदनी-बिहारपुर के बीच बांक गांव के पास तेज रफ्तार में श्रद्धालुओं की बोलेरो पेड़ से जा टकराई।

हादसे में बोलेरो के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो सवार युवक सतीश ठाकुर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके सिर और सीने में गंभीर चोटें आई थीं। हादसे के बाद मृतक का शव बोलेरो में फंस गया, जिसे मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

हादसे में 7 अन्य सवार घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को ओड़गी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। ओड़गी में प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों को सूरजपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

वहीं अन्य का इलाज ओड़गी में चल रहा है। जिन घायलों को रेफर किया गया है, उनके भी सिर सहित अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

### तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

प्रारंभिक जांच में बताया गया है कि हादसे के दौरान बोलेरो (क्रमांक यूपी61एए6191) की रफ्तार तेज थी और ड्राइवर गाड़ी की गति पर नियंत्रण नहीं कर सका। जहां हादसा हुआ है, वह खतरनाक मोड़ के कारण दुर्घटना जन्य क्षेत्र माना जाता है।

घटना की सूचना पर ओड़गी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ओड़गी सीएचसी भेज दिया गया है। हादसे की सूचना परिजनों को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## मुख्यमंत्री साय ने सुनी 'मन की बात', बोले-

# यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं यह देश की सामूहिक चेतना का बन गया है उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 128वीं कड़ी को सुना और इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देश की बातों को देशवासियों के सामने रखते हैं और हर माह राष्ट्र को प्रेरणादायक संदेश देते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जनभागीदारी और उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान दिलाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में लगे समर्पित लोगों को सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, विभिन्न राज्यों में शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां, शहद उत्पादन में वृद्धि, नौसेना सशक्तिकरण, नेवल म्यूजियम, नेचर फॉर्मिंग के महत्व, तथा सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता की प्रस्तुति और लातविया सहित कई देशों में आयोजित गीता महोत्सवों के भव्य आयोजनों की प्रशंसा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नेचर फॉर्मिंग के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और यहां के किसान व युवा उद्यमी इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज के 'मन की बात' में प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई उपयोगी जानकारियाँ अत्यंत प्रेरक हैं। प्रधानमंत्री ने स्पेस टेक्नोलॉजी में जेन-ज़ी युवाओं द्वारा मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन परीक्षण, असफल चंद्रयान-2 से सफल चंद्रयान-3 की प्रेरणादायी कहानी, महिला खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन,

कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र में ही महाभारत आधारित 3ष्ठ लाइट एवं साउंड म्यूज़ियम, राष्ट्र को समर्पित स्वदेशी डिज़ाइन वाले युद्धपोत 'आईएनएस माहे', भूटान यात्रा, बनारस में आयोजित होने वाले चौथे 'काशी तमिल संगमम', विंटर टूरिज्म एवं विंटर गेम्स, तथा 'वोकल फॉर लोकल' के तहत देशभर में चल रहे नवाचारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और 'मन की बात' के माध्यम से वे सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक आयामों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ देशवासियों तक पहुँचाते हैं। उनके अनुभवों का खजाना हमें यह सीख देता है कि 'लोकल को ग्लोबल' कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं रायपुर में मौजूद हैं और इसी दौरान हमें 'मन की बात' सुनने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में 26 नवंबर 'संविधान दिवस' के अवसर पर सेंट्रल हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शानदार शुरुआत, 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के आरोहण तथा उसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में 'पांचजन्य' स्मारक के लोकार्पण की जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में विश्व की सबसे बड़ी लीप इंजन MRO (Maintenance, Repair & Overhaul) सुविधा के उद्घाटन को भारत की एयरोस्पेस क्षमता में बड़ी छलांग बताया। उन्होंने पिछले सप्ताह मुंबई में भारतीय नौसेना को समर्पित ढ्हस 'माहे' के शामिल होने और भारत के स्पेस इकोसिस्टम में स्काईरूट के 'इन्फिनिटी कैंपस' द्वारा नई उड़ान दिए जाने का भी उल्लेख किया, जो भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति का प्रतीक है। कृषि क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारत ने 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है। दस वर्ष पहले की तुलना में यह उत्पादन 100 मिलियन टन अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है और हाल ही में भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने की घोषणा देश के लिए गर्व का क्षण है।

कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सहभागिता भी अत्यंत विशेष रही। उन्होंने बताया कि यूरोप और सेंट्रल एशिया के कई देशों के लोग गीता से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में इस महोत्सव में शामिल हुए। इस महीने की शुरुआत में सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता का वाचन हुआ, जबकि लातविया में आयोजित महोत्सव में लातविया, एस्टोनिया, लिथुआनिया और अल्जीरिया के कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, केबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, विधायक अनुज शर्मा, पूर्व विधायक आरंग नवीन मार्कण्डेय, विभिन्न निगम-मंडलों एवं आयोगों के अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, साजा का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपचार ले रहे मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा की और उनसे मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग और सेवाओं के विस्तार का सकारात्मक परिणाम आज स्वास्थ्य संस्थानों में दिखाई दे रहा है। मरीजों को समय पर उपचार और बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री जायसवाल ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और जहां आवश्यक हो, वहां स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं अस्पताल प्रबंधन को दिए।

## मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना : 800 यात्रियों का जत्था गुवाहाटी रवाना, रोक्तिमा यादव ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत लगातार बुजुर्गों को तीर्थ स्थलों का दर्शन कराया जा रहा है। इसी कड़ी में समाज कल्याण विभाग द्वारा 27 नवंबर को नारायणपुर, कोंडागांव एवं कांकेर जिले के 800 यात्रियों को गुवाहाटी असम के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शनों के लिए रवाना किया गया। समाज कल्याण विभाग के संचालक रोक्तिमा यादव ने रायपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 27 नवंबर को नारायणपुर, कोंडागांव एवं कांकेर जिले के बुजुर्ग यात्रियों को तीर्थ दर्शन का

मौका मिला। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 27 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक की इस यात्रा में असम के गुवाहाटी का सुप्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर, नवगृह मंदिर, वशिष्ट मुनि आश्रम, उमानंद मंदिर, शिवजी का मंदिर, शंकर देव कला क्षेत्र आदि का भ्रमण कराया जाएगा।

रायपुर रेलवे स्टेशन से समाज कल्याण विभाग के संचालक रोक्तिमा यादव ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से कुल 800 यात्री रवाना हुए। इसमें नारायणपुर से 110, कोण्डागांव से 260 व कांकेर से 410 यात्री तथा 20 सहयोगी यात्री शामिल हैं। इस अवसर पर समाज कल्याण के उप संचालक भूपेंद्र पाण्डे, सहायक संचालक कमल भदौरिया, उप संचालक क्षमा शर्मा, मुकेश कुमार दिवाकर व अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

## वर्ष 2025-26 में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 26 हजार 400 पीएम आवास निर्माण स्वीकृत

### 25 हजार 580 हितग्राहियों को पहली किश्त की राशि जारी, ग्राम पंचायतों में आवास चौपाल का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों को पक्का मकान प्रदान करने का क्रांतिकारी कदम है जो ना केवल आवास की कमी को दूर करती है बल्कि ग्रामीण जीवन को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंर्तगत स्वीकृत सभी आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने एवं समय-सीमा में पूर्ण कराने कलेक्टर बलौदाबाजार के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी ग्राम पंचायतो में आवास चौपाल का आयोजन कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2025-26 हेतु जिले में 26 हजार 400 आवास निर्माण को स्वीकृत किया गया, जिसमें से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्योत्सव के अवसर पर 25 हजार 580 हितग्राहियों के खाते में पहली

किश्त की राशि जारी की गई। आवास चौपाल का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में तकनीकी अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है, जिसमे, सभी नवीन स्वीकृति उपरांत राशि प्राप्त आवास के हितग्राही, पूर्व वर्षो के स्वीकृति उपरांत अपूर्ण आवास के हितग्राही, राजमिस्त्री, निर्माण, सामाग्री सप्लायर, सरपंच, सचिव एवं अन्य संबंधित शामिल होते हैं। आवास निर्माण की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना। रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराना। सौर सुजला के तहत सौर पैनल लगवाने की जानकारी देना शामिल है। वर्ष 2025-26 में प्रथम क़िस्त जारी 25 हजार 580 आवास के हितग्राहियों को क़िस्त जारी किए गए हैं। सभी आवासों का निर्माण कार्य प्रारंभ कराना। योजना के तहत कन्वर्जेन्स के माध्यम से मिलने वाले अन्य लाभ का जानकारी देना। राजमिस्त्री एवं निर्माण सामग्री की उपलब्धता पर पंचायतों में आवास चौपाल में चर्चा की जा रही है । अब तक बलौदाबाजार में 56, भाटापारा 34, कसडोल में 24 और पलारी 22 पंचायतों में आवास चौपाल करा किया गया है। इस चौपाल में पूर्व वर्षो के आवासों को जल्दी पूर्ण कराना। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पारदर्शी और नि:शुल्क योजना है जहां किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नही लिया जाता। कलेक्टर बलौदाबाजार ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा अनाधिकृत वसूली, कमीशन या सुविधा शुल्क की मांग नहीं कर सकता। यदि कोई ब्यक्ति आवास पास करान, क़िस्त जल्दी दिलाने या अन्य किसी बहाने से पैसा की मांग करता है, अनाधिकृत वसूली करने पर, तत्काल शिकायत जनपद पंचायत सीईओ, सीईओ जिला पंचायत या कलेक्टर कार्यालय में दर्ज करायें।

## किसानों के लिए आय में वृद्धि का नया अध्याय बन रहा पीएम-आशा योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री-अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलहन एवं तिलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की गई, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य है। योजना का उद्देश्य कृषकों से दलहनी तथा तिलहनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय करना है।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम.आशा) एक व्यापक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करके लाभकारी मूल्य दिलाना है। इसमें तीन मुख्य घटक शामिल हैं: मूल्य समर्थन योजना, मूल्य स्थिरीकरण कोष, और मूल्य घाटा भुगतान योजना है । इसका मुख्य लक्ष्य किसानों की आय को बढ़ाना और उनकी आय के संरक्षण की दिशा में काम करना है। इस योजनांतर्गत राज्य में उत्पादित किये जाने वाली अरहर, उड़द एवं मसूर का शत् प्रतिशत उपार्जन तथा शेष फसलों यथा मूंगफली, सोयाबीन, मूंग, चना, सरसों का राज्य के उत्पादन का 25 प्रतिशत उपार्जन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी प्रापण संस्थाओं (प्रोक्योरमेंट एजेंसीज) नाफेड

तथा एनसीसीएफ के माध्यम से किया जायेगा। सबसे खास बात यह है कि सरकार न केवल दालों के उत्पादन को बढ़ाकर देश को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है, बल्कि किसानों की आमदनी को बढ़ाना चाहती है।

### किसानों की आर्थिक सुरक्षा को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस कदम

सरकार चाहती है कि दाल उगाने वाले किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा मिले और उनकी फसल की समय पर खरीद की जा सके। इसी दिशा में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) शुरू किया गया है, जो किसानों की आर्थिक सुरक्षा को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। इसके तहत किसानों की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की जाएगी।

योजनांतर्गत उपज विक्रय हेतु इच्छुक कृषक को अपना पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल पर कराना तथा समीपस्थ उपार्जन केन्द्र संबंधित का उल्लेख करना अनिवार्य है। पंजीयन के दौरान चिन्हित उपार्जन केन्द्र के चयन द्वारा विपणन किया जा सकता है। प्रत्येक अधिसूचित फसल की उपार्जन अवधि 90 दिवस निर्धारित होती है। इस योजना के माध्यम से न सिर्फ कृषक द्वारा उसके उत्पाद का उचित मूल्य पर विक्रय किया जा सकता है अपितु प्रतिस्पर्धा विकास के द्वारा बाजार में उपज का अधिक मूल्य भी प्राप्त हो सकता है। यह समस्त स्थिति फसल विविधिकरण के लिए अनुकूल परिस्थितियों निर्मित करने में भी सहायक हो सकती है।

### बलौदाबाजार जिले में 5 उपार्जन केन्द्र

पीएम-आशा के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत जिले में 5 उपार्जन केन्द्रों विकासखंड बलौदाबाजार जिले में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बलौदाबाजार, विकासखंड पलारी में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अमेरा, विकासखंड भाटापारा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धुर्राबांधा, विकासखंड कसडोल में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कसडोल, विकासखंड सिमगा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सिमगा का नाम शासन द्वारा अधिसूचित किया गया है।

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से मोसेस राव बने उर्जादाता

### बिजली बिल शून्य, अतिरिक्त बिजली से हो रही आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है। इस योजना से घरों की बिजली की जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ उपभोक्ता अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी अर्जित कर रहे हैं। सुकमा जिले में इसके सकारात्मक परिणाम तेजी से सामने आ रहे हैं।

नगर पंचायत कोंटा के निवासी मोसेस राव ने अपने घर की छत पर इस योजना के तहत 3 केवी का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम स्थापित कराया है। यह स्थापना छत्तीसगढ़ इनोवेशन द्वारा की गई है। श्री राव बताते हैं कि योजना से जुड़ने के बाद उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार से 1 लाख 8 हजार रुपये की सौर सब्सिडी मिली, जिससे सोलर सिस्टम लगाने की लागत काफी कम हो गई। उन्होंने बताया कि उनके घर में उपयोग होने वाली सारी बिजली सोलर

सिस्टम से ही मिल जाती है और बची हुई बिजली सीधे विद्युत विभाग को भेजी जाती है। विभाग द्वारा अतिरिक्त बिजली का वार्षिक भुगतान किया जाएगा, जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी भी होगी।

श्री राव ने कहा कि यह योजना ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही है और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल से राहत पाएं और स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं।

मोसेस राव ने केंद्र और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही सब्सिडी आम परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950